दैनिक

# क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः- 330
मुरादाबाद
25 March 2025
(Tuesday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

## BJP के आठ वर्षः 'किसान करता था सुसाइड, लोग बोलते जहां से गड्ढा शुरू वहीं से UP-...'

यूपी में योगी सरकार के आठ साल पूरे होने पर प्रदेश भाजपा उत्सव के रूप में मना रही है। इस मौके पर सोमवार से विविध आयोजन शुरू हो गए हैं। इसी कड़ी में सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रेस वार्ता कर सरकार उपलब्धियां गिनाईं। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के आठ वर्ष पूरे होने पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को पत्रकार वार्ता की। इस मौके

पर उन्होंने सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने सरकार की %सेवा, सुरक्षा और सुशासन नीति% पर जोर दिया। सीएम योगी ने कहा कि आठ साल पहले उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था और इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थिति क्या थी, यह किसी से छिपा नहीं है। पहले किसान आत्महत्या करता था। युवा के सामने पहचान का संकट था। प्रदेश में दंगे होते थे। अराजकता का माहौल था। आज प्रदेश वही है, तंत्र वही है, केवल सरकार बदलने से व्यापक बदलाव महसूस किया जा सकता है। पहले यूपी बीमारू राज्य माना जाता था। आज देश की अर्थव्यवस्था के ग्रोथ इंजन के रूप में जाना जा रहा है। आज हर सेक्टर में यूपी देश के विकास में ब्रेक थ्रू के रूप में देखा जा रहा है।कृषि क्षेत्र में उपेक्षित था यूपी यूपी में प्रकृति की प्रचुर मात्रा में अवसर थे। हम इसको आगे बढ़ा सकते थे। 2017 से पहले किसान आत्महत्या करता था। कृषि सेक्टर में एक वीरानी छाई हुई थी। 2017 के बाद इस क्षेत्र में काफी बदलाव हुए हैं। कृषि विकास दर 13.5 फीसदी से अधिक हुई है। इससे प्रदेश के जीडीपी में 28 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसकी शुरुआत हमारी पहली कैबिनेट में 36 हजार करोड़ की कर्जमाफी करके की गई। आज किसानों को पीएम किसान सम्मान योजना सहित हर योजना में धनराशि डीबीटी के माध्यम से जा रही है। सिंचाई क्षेत्र में व्यापक बढ़ोतरी हुई है। वर्षों से सिंचाई परीयोजनाएं लंबित पड़ी थीं। हमने इन्हें शुरू किया। आज आठ वर्ष में 23 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई की सुविधा किसानों को मिली। प्रदेश में कृषि विश्वविद्यालयों का उन्नयन हुआ। एक कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की। 20 नए कृषि विज्ञान केंद्र की स्थापना की गई। प्रदेश इस सेक्टर में एक अलग स्पीड से आगे बढ़ा। 2017 से पहले चीनी उद्योग बंदी के कगार पर था। आंदोलन होता था। गन्ना किसानों का हजारों करोड़ रुपये बकाया था। चीनी मिलें बंद होती जा रही थीं। हमने तीन नई चीनी मिलों की स्थापना की। छह नई चीनी मिलों को पुनः संचालित किया। 38 मिलों का विस्तार किया। वर्तमान में 122 चीनी मिलें क्रियाशील हैं।सीएम ने आगे कहा कि 2017 से अब तक दो लाख 80 हजार करोड़ का गन्ना मूल्य भुगतान किया गया। पिछली सरकारों के 22 वर्ष के कुल भुगतान से 60 हजार करोड़ से ज्यादा भुगतान हमने आठ वर्ष में किया। पीएम कुसुम योजना अंतर्गत सोलर पैनल लगाकर लगभग 86 हजार किसानों के जीवन मे बदलाव लाया गया। 14 लाख निजी नलकूपों को मुफ्त बिजली देकर किसानों की आमदनी बढ़ाने का कार्य किया। 2017 से पहले हर जगह बिचौलियों का बोलबाला था। 2017 से 2023 तक गेंहू क्रय का भुगतान हमने ढाई गुना ज्यादा (तीन हजार 424 करोड़) भुगतान किया। धान के क्रय में 88 हजार करोड़ 746 करोड़ डीबीटी के माध्यम से दिया गया। सरकार ने 32 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि को बाढ़ से बचाने का कार्य किया। प्रदेश में निराश्रित गोवंश के लिए 7700 से अधिक गो आश्रय स्थल में 12 लाख 50 हजार से अधिक गोवंश का संरक्षण सरकार स्वयं कर रही है। साथ ही सहभागिता योजना के माध्यम से एक लाख पांच हजार पशुपालकों को एक लाख 63 हजार गोवंश उनकी सुपुर्दगी में दिया गया। इसके लिए सरकार 1500 रु प्रति गोवंश प्रति माह दे रही है। 2017 के पहले कानून व्यवस्था का संकट था। युवा के सामने पहचान का संकट था। महाकुंभ में बेहतर कानून व्यवस्था का उदाहरण दिखा। 45 दिनों के आयोजन में कोई अपराध, लूट, छेड़छाड़, अपहरण कोई भी घटना नहीं हुई। आने वाले श्रद्धालुओं के मन मे कोई असंतोष का भाव नहीं दिखा।सीएम ने कहा कि प्रदेश वही है। आठ वर्ष में सरकार ने पुलिस बल को एक सिस्टम के साथ जोड़ा। 2017 में हमारी सरकार आने पर पुलिस बल में डेढ़ लाख से ज्यादा पद खाली थे। सरकार की नीयत पर जनता और न्यायालय को संदेह था। सरकार ने एक लाख 56 हजार पुलिस कार्मिकों की भर्ती की। साथ ही मौजूदा समय ने 60 हजार 200 से अधिक नए पुलिस कार्मिकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी की। उन्हें जल्दी ट्रेनिंग मिलेगी। यूपी ने गरीब कल्याण क्षेत्र में लंबी छलांग लगाई है। 15 करोड़ प्रदेशवासी मुफ्त राशन प्राप्त कर रहे हैं। 56 लाख जनमानस को आवास की सुविधा दी गई। एक करोड़ छह लाख महिला वृद्धजनों को पेंशन मिल रही है। डीबीटी के माध्यम से पैसा पहुंचाने में यूपी देश में पहले स्थान पर है। नए वित्त वर्ष में हम ज़ीरो पावर्टी स्कीम लॉन्च करने जा रहे हैं। पहले गड्ढे से प्रदेश की पहचान होती थी। आज आप गूगल करेंगे तो सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे वाले प्रदेश के रूप में यूपी का नाम आता है। यूपी में सबसे ज्यादा मेट्रो का संचालन हो रहा है। देश की पहली रैपिड रेल संचालित हो रही है।2017 से पहले यूपी डेढ़ एक्सप्रेसवे का राज्य था। लखनऊ में आधी अधूरी मेट्रो थी। आज हम स्टेट डेवलपमेंट रीजन सृजित करने जा हैं। लखनऊ के आसपास स्टेट कैपिटल रीजन सृजित करने जा रहे हैं। ऐसे ही वाराणसी, कानपुर के आसपास काम होने जा रहा है। 1947 से 2017 तक एक लाख 28 हजार 494 मजरों तक बिजली पहुंचाई गई थी। पिछले आठ वर्ष में यह संख्या बढ़कर दो लाख 49 हजार 818 मजरों तक हो गई है। एक लाख 21 हजार मजरों में हमने सिर्फ आठ वर्ष में विद्युतीकरण किया। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में 2017 से पहले मात्र 228 मेगावाट की परियोजना क्रियाशील थी। हमने आठ वर्षों में 2653 मेगावाट की सौर ऊर्जा का उत्पादन किया। यूपी निवेश में पूंजी को सुरक्षित रखने वाला राज्य है। आने वाले समय में यूपी निवेशकों में एक ड्रीम डेस्टिनेशन बनने की ओर है। आजादी से 2017 तक सिर्फ 12 मेडिकल कॉलेज थे। आठ वर्षों में 80 मेडिकल कॉलेज बने। इसमें 44 सरकारी व 36 निजी मेडिकल कॉलेज बने। पहले नर्सिंग पैरामेडिकल कॉलेज में ताले लटकते थे। आज बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं संचालित हैं।

### संक्षिप्त समाचार

**अखिलेश ने रामजीलाल के बयान का किया समर्थन, बोले- बाएं पैर के अंगूठे से हुआ शिवाजी का अभिषेक**

संसद में रामजीलाल सुमन ने कहा था कि भारतीय मुसलमान बाबर को अपना आदर्श नहीं मानते। वे पैगंबर मुहम्मद और सूफी परंपरा का पालन करते हैं। लेकिन, मैं पूछना चाहता हूं कि बाबर को यहां कौन लाया? राणा सांगा ने ही बाबर को इब्राहिम लोदी को हराने के लिए आमंत्रित किया था।राजधानी लखनऊ में रविवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव ने राणा सांगा पर दिए राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के विवादित बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा नेता औरंगजेब पर चर्चा करने के लिए इतिहास को पलट सकते हैं, तो रामजीलाल ने भी इतिहास के एक पन्ने का जिक्र किया है। दरअसल सांसद ने 21 मार्च को राज्यसभा में बोलते हुए राणा सांगा को %देशद्रोही% करार दिया था। कहा था कि हिंदू उनके वंशज हैं।भाजपा ने रामजीलाल सुमन के बयान का विरोध किया। अब अखिलेश यादव उनके बयान के समर्थन में उतरे हैं। इस पर भाजपा ने अखिलेश को निशाने पर लेते हुए कहा कि यह पूरे हिंदू समुदाय का अपमान है। सपा मुखिया पर तुष्टिकरण का आरोप लगाया। कहा कि उनकी टिप्पणी समाजवादी पार्टी की %हिंदू विरोधी% मानसिकता को दर्शाती है।रामजीलाल सुमन ने संसद में कहा था कि अगर मुसलमानों को बाबर का वंशज कहा जाता है, तो हिंदू गद्दार राणा सांगा के वंशज होने चाहिए। हम बाबर की आलोचना करते हैं। आलोचना क्यों नहीं करते?

## 350 सिलिंडर फटे, धमाकों से दहले लोग, बोले- लगा ज्वालामुखी फटा

बरेली-गांव रजऊ परसपुर के बाहर स्थित गैस गोदाम में सोमवार को आग लगने से दहशत फैल गई। धमाकों से गोदाम की छत उड़ गई। लगभग 350 से अधिक सिलिंडर फटे हैं। घटना इतनी भयावह थी कि ग्रामीणों का कलेजा कांप गया। बरेली के बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के रजऊ परसपुर स्थित महालक्ष्मी गैस एजेंसी के गोदाम में सोमवार दोपहर भयानक हादसा हो गया। दोपहर करीब एक बजे सिलिंडर फटने से गैस एजेंसी में भीषण आग लग गई। ग्रामीणों के अनुसार सिलिंडर फटने के बाद लगातार कई तेज धमाके हुए, जिससे आसपास का इलाका दहल गया। करीब एक घंटे तक एक-एक कर सिलिंडर फटते रहे। धमाकों के साथ हवा में उड़े सिलिंडरों के टुकड़े करीब 500 मीटर के दायरे में खेतों में जाकर गिरे। वहीं, गोदाम से उठती लपटों को देख गांव रजऊ परसपुर में दहशत फैल गई। लोग बोले, ऐसा लगा जैसे ज्वालामुखी फटा हो। बताया जा रहा है कि घटना में 350 से अधिक सिलिंडर फटे हैं। ये सिलिंडर ट्रक में लदे थे। ट्रक के परखच्चे उड़ गए। गांव रजऊ परसपुर से करीब 500 मीटर दूरी पर इंडेन की महालक्ष्मी गैस एजेंसी का गोदाम बना है। एजेंसी के चौकीदार दिनेश चंद्र शुक्ला के मुताबिक गोदाम में

सिलिंडर से भरा ट्रक उतरने के लिए खड़ा था। ट्रक के बोनट में किसी तरह आग लग गई। चौकीदार ने आग को बुझाने का प्रयास किया, लेकिन जब आग नहीं बुझी तो वह गांव की ओर भाग खड़े हुए। ट्रक चालक भी भाग गया। बताया गया कि पहले ट्रक में रखा सिलिंडर फटा, फिर गोदाम में आग लग गई और धमाके होने लगे। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड के साथ पुलिस मौके पर पहुंच गई। आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। धमाकों की वजह से आग बुझाने में मशक्कत करनी पड़ी। घटना इतनी विकराल थी कि सिलिंडर के टुकड़े 500 मीटर दूर तक खेतों में गिरे। ग्रामीणों ने मोबाइल से घटना के वीडियो बना लिए। जिस गैस एजेंसी गोदाम में आग लगी है, वह सोमवार को बंद रहती है। गोदाम पर चौकीदार और ट्रक चालक ही थे। दोनों ने भागकर अपनी जान बचाई। वहीं गोदाम आबादी से काफी दूर है, जिससे जनहानि होने से बच गई।एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्र ने बताया कि गांव रजऊ परसपुर के बाहर महालक्ष्मी गैस एजेंसी है। दोपहर करीब 12 बजे सिलिंडर से भरा ट्रक यहां आया था, जिसमें करीब 400 सिलिंडर थे। अनलोडिंग के लिए ट्रक गोदाम में खड़ा था। इसी दौरान धमाके साथ आग गई थी। आग पर काबू पा लिया गया। कोई जनहानि नहीं हुआ। नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

## वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ AIMPLB का बड़ा एलान, देशव्यापी 'आंदोलन' की घोषणा की

एआईएमपीएलबी के बयान में कहा गया है कि बोर्ड ने एक विस्तृत राष्ट्रव्यापी आंदोलन योजना तैयार की है जिसके तहत सभी राज्यों की राजधानियों में विरोध प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। एआईएमपीएलबी ने कहा, %हैदराबाद, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, मलेरकोटला (पंजाब) और रांची में प्रमुख रैलियां आयोजित की जाएंगी।ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने रविवार को प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है। एआईएमपीएलबी के कार्यालय सचिव मोहम्मद वकार उद्दीन लतीफी की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया, %17 मार्च को दिल्ली में बड़े पैमाने पर और सफल विरोध प्रदर्शन के बाद, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है।एआईएमपीएलबी ने तमाम संगठनों का जताया आभार एआईएमपीएलबी के प्रवक्ता और वक्फ विधेयक के खिलाफ कार्रवाई समिति के संयोजक एसक्यूआर इलियास ने बोर्ड की ओर से सभी मुस्लिम संगठनों, नागरिक समाज समूहों और दलित, आदिवासी, ओबीसी और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के नेताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, %अल्लाह की कृपा और इन समूहों के एकजुट समर्थन के बिना, दिल्ली के प्रदर्शन की सफलता संभव नहीं होती।% उन्होंने विपक्षी दलों और सांसदों को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने न केवल बड़ी संख्या में भाग लिया, बल्कि प्रस्तावित कानून को दृढ़ता से खारिज भी किया। विधेयक के विरोध में एआईएमपीएलबी ने लिया संकल्प- एआईएमपीएलबी के बयान में कहा गया है कि एआईएमपीएलबी की 31 सदस्यीय कार्रवाई समिति ने विवादास्पद, भेदभावपूर्ण और नुकसानदायक विधेयक का विरोध करने के लिए सभी संवैधानिक, कानूनी और लोकतांत्रिक तरीकों को अपनाने का संकल्प लिया है। आंदोलन के पहले चरण के तहत 26 मार्च को पटना और 29 मार्च को विजयवाड़ा में राज्य विधानसभाओं के सामने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई गई है। देशव्यापी आंदोलन में कौन-कौन से संगठन लेंगे हिस्सा- इसमें कहा गया है कि एआईएमपीएलबी के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ-साथ राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय धार्मिक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि इन प्रदर्शनों में भाग लेंगे। %नागरिक समाज के नेता, अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की प्रमुख हस्तियां और दलित, आदिवासी और ओबीसी वर्गों के प्रमुख लोगों ने भी अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। बयान में कहा गया है कि विभिन्न राजनीतिक दलों की तरफ से एआईएमपीएलबी की 31 सांसदों को चालू संसद सत्र में भाग लेने के लिए व्हिप जारी करने के बावजूद, संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के विपक्षी सदस्यों को भी धरना-प्रदर्शन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। संगोष्ठी और धरने आयोजित किए जाएंगे और जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपे जाएंगे।

## संपादकीय Editorial

### Your name for the name

Division of sacrifices is also possible, but today's politics has started showing this magic too. The budget session of Himachal Assembly covered the discussion with a chunni and saw the colors of politics even in sacrifice. When the matter reached to running schemes in the name of leaders, many foundation stone plaques got entangled. In this context, Atal Bihari Vajpayee's relation with Manali also remained in the news. Here name vs name was made, but work vs work did not happen. Of course, the Atal government made Himachal a hub of medicines today by giving industrial package or Indira Gandhi had shown the way to move forward to the state by giving full statehood status. Anyway, many political personalities are echoing in the naming of schemes, but the hero of Himachal did not get respect. With which national institution was the name of Himachal's hero attached? Bazir Ram Singh Pathania had revolted against the British before Mangal Pandey, but this historical fact has not got respect till date. As a warrior, Zorawar Singh proved his top position in every conquest of entire North India, but Himachal Pradesh did not remember him. It is a different matter that with the efforts of MLA Sudhir Sharma, a statue telling the tale of bravery of Zorawar Singh has been installed in Dharamshala. A long list of freedom fighters was written by the freedom fighters in various movements of Himachal, but in which corner of the capital Shimla do we find the names of revolutionary heroes marked. Late Pandit Sushil Ratan, father of MLA Sanjay Ratan and chairman of the Freedom Fighter Board, wrote the inscriptions of a state level freedom fighter memorial in Dharamshala, but till date this project has not come to light. Himachal has written many histories of sacrifices for the country and among these, the name of Major Somnath, who earned the first Param Vir Chakra for the country, becomes noteworthy, but have we built any military training academy or college of defense studies in the name of this warrior? Two big dam projects in Kangra and Bilaspur make human sacrifice in nation building unique, but they are not named after any Himachali hero. If we remembered the glorious moments of history, the name of Pong dam would have been associated with Bazir Ram Singh Pathania and the dam in the lap of Bilaspur with Zorabar Singh. Sacrifice does not need the support of any name, but the reasons for remembering all those who sacrificed their lives in the name of national interest are eternal. The irony is that the dimensions of our progress have started taking on political idols. The character of development has started getting divided among political parties. Our educational and medical institutions are now growing hiding their faces behind their political medals. If we ask who is the greatest doctor or surgeon of the state, then many people will be found looking away. The sacrifice of those employees should also be counted who end their lives while making electricity supply possible. The names of those who lose their lives in risky works are also included, so the definition of karma needs to be preserved. Till date we have not seen a college named after an educationist or a hospital or a medical college named after a doctor, but now the names of Himachali leaders have started to be associated with educational and medical institutions as a heritage, but the irony is that toys of power have started to be sold by pasting the names of leaders on half-constructed buildings. Despite the bad condition of the bus stand of Dharamshala, if it has been illuminated by dedicating it to a leader, then it is an insult or politics has become so poor. A good deed has been done by naming an auditorium in Una after Lata Mangeshkar, but not every building.

# Urbanization ignored, municipal bodies become a hub of politics

In our country, even those municipal bodies which have a huge budget, have limited civic amenities. There should be a thorough investigation as to why this is so and a concrete system should be made for this so that councillors and mayors help in ensuring proper development of cities. If necessary, councillors and mayors should be made accountable by changing the functioning of municipal bodies. Recently, in Raisina Dialogue, former CEO of NITI Aayog Amitabh Kant stressed on building sustainable cities to urbanize the country and said that cities are centers of development, innovation and prosperity. To show cities as centers of prosperity, he gave the example of Mumbai, whose gross domestic product i.e. GDP is more than the gross domestic product of 18 states. Similarly, the GDP of Gautam Buddha Nagar in Uttar Pradesh is 12 times more than Kanpur. This means that these cities are leading in terms of prosperity. To make India economically prosperous, there should be many Mumbai, Bengaluru, Hyderabad, Noida, Surat etc. in the country. Our policy makers should think about why this is not so, because in the coming times the population of cities will increase rapidly. Cities should not be developed properly only because their population is increasing. They should also be developed properly because they help in generating employment and take the economy forward. Today everyone is aware that cities are engines of development, but the work of beautifying and improving them seems to be out of the priority list. If we believe Amitabh Kant, given the current challenges of urbanization, India will have to build a new Chicago every five years. If anything becomes clear from the way he talked about reviving the existing cities, then it is that in our country, not enough attention is being paid to properly solving the challenges of urbanization. This is clearly visible. Despite all the efforts, our cities remain synonymous with unplanned development. The lack of civic amenities in them is increasing. They are getting surrounded by encroachment, traffic jams, waterlogging, pollution etc. Flyovers, underpasses, bypasses, etc. are seen being built in them, but in a short time they start proving to be inadequate. The reason for this is not only the increasing pressure of population, but also the lack of planned development. Due to the lack of long-term thinking in the construction of the infrastructure of cities, they become surrounded by problems. Although it is the job of the state governments to see that the infrastructure of cities improves, but the biggest responsibility lies with the municipal bodies. Unfortunately, they are lagging behind in discharging this responsibility. The main reason for this is that the public representatives of the municipal bodies do not do their work properly. They care more about how to make and increase their vote bank than the planned development of cities. For this, they also do such things, which increase the problems of the cities. Sometimes they advocate regularization of illegal slums, sometimes they are seen opposing the removal of encroachment. It is not hidden from anyone that our cities are becoming polluted, but the public representatives of the municipal bodies do not seem to have any agenda to deal with pollution. The pollution of cities shows that there is negligence at every level in the implementation of urbanization related schemes. Sometimes it seems that the public representatives of the municipal bodies neither realize themselves nor are they made to realize by anyone that their primary responsibility is to improve the infrastructure of the cities, to make the lives of the people living in them easier and to worry about how industries can flourish in them. It is clear that only when this happens, the cities will become centers of prosperity. The current situation is that they are not able to arrange the necessary funds to maintain the system of cleanliness, health, drinking water, sewage, public transport etc. The reason for this is the corrupt functioning of the municipal bodies. Everyone is aware of this, but no solution is being found. In our country, even in those municipal bodies which have a huge budget, the civic amenities are seen to be lacking. Why is this so, it should be thoroughly investigated and for this some concrete system should be made so that the councilors and mayors help in ensuring proper development of the cities. If necessary, councillors and mayors should be made accountable by changing the functioning of the municipal bodies. Some clear parameters should be made to determine accountability and they should be linked to their election process, so that the public can understand who not to vote for and also know who did not meet the criteria. Some mechanism should be developed to remove those public representatives who do not meet the criteria. What should happen is that municipal bodies should become a means of planned development, but what is happening is that they have become a hub of cheap politics. Like the public representatives of the municipal bodies, their officials should also be made accountable, because it is due to their short-sightedness and construction work done against the standards that cities face the lack of basic facilities. Our cities are in dire need of such town planners, who, while constructing any infrastructure project, can assess whether it will be able to bear the burden of increased population after 40-50 years or not? Such assessment is hardly done in our country. Usually an immediate solution to the problem is sought. If the problem is  If the desired results are not achieved from schemes like Art City, it is due to the inefficiency of the municipal bodies. Sometimes action is taken against the careless and corrupt officials of the municipal bodies, but councillors and mayors are rarely punished for irresponsibility. Until this situation is resolved, urbanization will remain challenging and our cities will not be able to attract economic activities. If this does not happen, it will be difficult to achieve the goal of a developed India. It would be better to understand that only properly developed cities will be able to lay the foundation of a developed India.

# Politics on delimitation, Stalin baking political bread

If anything is being proved by Stalin's attitude, then it is that he has his eyes on the assembly elections to be held in Tamil Nadu next year and he wants to divert the attention of the people of his state from those issues for which he can be held accountable. It is no secret that he is getting surrounded by allegations of nepotism and corruption. Tamil Nadu Chief Minister MK Stalin, who is fueling the language dispute, by calling a meeting on delimitation, proved that with the intention of baking political bread, he is fueling another issue, which has no head or tail at the moment. It should be known that his allegation of imposing Hindi on Tamil Nadu under the National Education Policy is also to mislead the people of his state, because Hindi is not even mentioned in the three-language formula of this policy. It seems that only after being exposed on this issue, he has decided to take the matter of delimitation forward. He is busy making noise that if the only basis for determining delimitation is population, then the seats of southern states in Lok Sabha will decrease. This is an attempt to create fear, because it is not yet decided that the only basis for delimitation will be population. More important than this is that the need for delimitation will arise only when the census is done. Right now it is not known when the census will be done? Although the Prime Minister and the Home Minister have made it clear that no injustice will be allowed to be done to any state in delimitation, but Stalin is not at peace. He is busy creating such an atmosphere as if the announcement of delimitation on the basis of population has been made. Be it the matter of language or delimitation, if anything is being proved by Stalin's attitude, then it is that his eyes are on the assembly elections to be held in Tamil Nadu next year and he wants to divert the attention of the people of his state from those issues for which he can be held accountable. It is not hidden from anyone that he is getting surrounded by allegations of nepotism and corruption. He does not only want to take charge of the politics of the southern states. He also seems to be trying to take the reins of the politics of the opposition parties in his hands. I don't know why he has started feeling that he can become a big face of the opposition alliance INDIAA like Mamata Banerjee. He is unlikely to succeed in this, because Trinamool Congress did not participate in the meeting called for delimitation. YSR Congress also stayed away from this meeting. The fact is also that many leaders of opposition parties did not support his demand to stop delimitation for 25 years. Keep in mind that delimitation has been postponed twice before. The central government will have to be cautious that Stalin and the leaders standing with him are not able to do divisive politics on delimitation.

# फर्जी आधार केंद्र में बिना लाइसेंस के अपडेट हो रहे थे आधार, संचालक गिरफ्तार

**पुलिस ने छापेमारी कर फर्जी आधार कार्ड केंद्र को सील कराया, जांच तेज की**

मुरादाबाद- बिलारी नगर में अवैध तरीके से चल रहे आधार कार्ड सेंटर में बिना लाइसेंस के आधार कार्ड अपडेट किए जा रहे थे। सूचना पर पुलिस ने छापेमारी करके फर्जी आधार कार्ड केंद्र को सील कर दिया। इस संबंध में पुलिस ने आरोपी संचालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है। नगर के मोहल्ला साहू कुंज में एक आधार केंद्र फर्जी तरीके से संचालित हो रहा था। जिसमें बिना लाइसेंस के ही आधार कार्ड अपडेट किए जा रहे थे। रविवार को पुलिस ने शिकायत मिलने पर छापेमारी की। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी संचालक को भी गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान संचालक से आधार कार्ड सेंटर चलाने की दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह दस्तावेज नहीं दिखा पाया। बाद पुलिस ने नायब तहसीलदार को मौके पर बुलाकर आधार कार्ड सेंटर को सील करा दिया। इस दौरान मौके से बायोमेट्रिक मशीन और अन्य दस्तावेज मिले हैं, पुलिस ने संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली पुलिस के उप निरीक्षक अनुज सिंह की ओर से कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्हें सूचना मिली थी कि साहू कुंज में चल रहे आधार कार्ड सेंटर पर फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनाए और अपडेट किए जा रहे है। जिसके लिए संचालक के पास कोई लाइसेंस नहीं है। पुलिस आरोपी संचालक को गिरफ्तार कर कोतवाली ले गई। वही उप निरीक्षक अनुज सिंह की तहरीर पर संचालक वाजिद मलिक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# बरेली एसएसपी की रिपोर्ट पर हटे ट्रेनी IPS रोहन झा...चूहों की बलि देकर खुदको बताया था कल्कि अवतार

मुरादाबाद- खुद को कल्कि अवतार बताकर चूहों की बलि देने वाले और कछुओं पर मोमबत्ती लगाने वाले ट्रेनी आईपीएस रोहन झा को मुरादाबाद से हटा दिया गया है। इससे पूर्व बरेली एसएसपी अनुराग आर्य ने उनकी भूमिका की जांच पूरी कर रिपोर्ट एडीजी के जरिये मुख्यालय भेजी थी। इसी रिपोर्ट के आधार पर डीजीपी प्रशांत कुमार ने रोहन झा को मुख्यालय से संबद्ध कर लिया है। दरअसल, जनवरी मध्य से मुरादाबाद में तैनात प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी रोहन झा एक दिलचस्प चर्चा का विषय बने हुए हैं। उनकी अजीबोगरीब हरकतों से उनके साथी व अधीनस्थ भी आश्चर्यचकित हैं। वह खुद को भगवान कल्कि का अवतार बताने लगे थे। वह कभी परेड ग्राउंड में गाड़ी दौड़ाते थे तो कभी चूहे की गर्दन काटकर उसे जीवित करने का दावा करते थे। आईपीएस रोहन झा के सहयोगी कर्मी उनके अचानक बदलने वाले स्वभाव से हैरत में थे। मीडिया के जरिये इस तरह की खबरें आने के बाद डीजीपी प्रशांत कुमार ने इसे गंभीरता से लिया था। इस बीच रोहन झा के अवकाश पर होने के कारण उनका बयान अभी दर्ज नहीं हो सका है। उनका बयान दर्ज कर आगे की भी कार्रवाई संभव है।

# मुरादाबाद मंडी समिति में अवैध अतिक्रमण हटाने बुलडोजर लेकर पहुंची प्रशासनिक टीम, व्यापारियों के उड़े होश...पीएसी और पुलिस तैनात

मुरादाबाद- मुरादाबाद मंडी समिति में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन की टीम बुलडोजर लेकर पहुंची। बुलडोजर और टीम को देखकर व्यापारियों के होश उड़ गए। बड़ी संख्या में प्रशासनिक टीम के साथ पीएसी और मझोला थाने की पुलिस तैनात है। टीम को देखकर व्यापारी खुद से अपना अतिक्रमण को हटाने में जुट गए हैं। अपर नगर मजिस्ट्रेट द्वितीय अजय मिश्रा और सीओ सिविल लाइंस कुलदीप के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम बुलडोजर के साथ मौके पर पहुंची और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी।

# संभल के सर्विलांस प्रभारी के खिलाफ वारंट जारी, जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेश हुए आजम खां

सपा नेता आजम खां से जुड़े डूंगरपुर मामले में गवाही के लिए संभल इंस्पेक्टर कोर्ट में पेश नहीं हुए। कोर्ट ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया है। यह मामला 2019 में डकैती और मारपीट के आरोपों से जुड़ा है।सपा नेता आजम खां से जुड़े डूंगरपुर मामले में गवाही के लिए संभल के इंस्पेक्टर रामवीर सिंह कोर्ट नहीं पहुंचे, जिस पर कोर्ट ने इस मामले उनके खिलाफ जमानतीय वारंट जारी कर दिया है। अब इस मामले की सुनवाई 27 मार्च को होगी। सुनवाई के दौरान सपा नेता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सीतापुर जेल से जुड़े।गंज थाने में डूंगरपुर बस्ती के लोगों ने वर्ष 2019 में सपा नेता आजम खां समेत कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके साथ मारपीट की थी। साथ ही लूटपाट व डकैती का भी आरोप लगाया था। पुलिस ने विवेचना के बाद चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की। इस मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में चल रही है। सोमवार को इस मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान इस मामले के विवेचक व गवाह तत्कालीन गंज थाना प्रभारी व मौजूदा समय में संभल में सर्विलांस प्रभारी के पद पर तैनात इंस्पेक्टर रामवीर सिंह यादव को कोर्ट में पेश होना था लेकिन वह कोर्ट में हाजिर नहीं हुए जिस पर कोर्ट ने इस मामले में उनके खिलाफ जमानतीय वारंट जारी कर दिया। अब इस मामले की सुनवाई 27 मार्च को होगी। अब्दुल्ला के दो पैन कार्ड-पासपोर्ट मामले में नहीं हुई सुनवाई- सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड व पासपोर्ट मामले में सोमवार को सुनवाई नहीं हुई। सोमवार को इस मामले में रिकार्ड पहुंचना था, लेकिन रिकार्ड नहीं पहुंचा, जिसकी वजह से सुनवाई टल गई। अब इस मामले की सुनवाई सात अप्रैल को होगी।

# समय पर करें इलाज तो टीबी की बीमारी से मिलेगा छुटकारा

## महानगर के चिकित्सकों ने टीबी की बीमारी पर दी विशेष जानकारी, मां में टीबी की बीमारी तो बच्चे को नहीं कोई खतरा

मुरादाबाद- बहुत से लोग टीबी की बीमारी होने पर उसे छिपा लेते है तो बाद में गंभीर बीमारी का रूप ले लेती है। अगर आप को टीबी बीमारी के लक्षण है तो तुरंत उसे चिकित्सक को दिखाएं, जिससे आप स्वस्थ रहेंगे और टीबी जैसी बीमारी पर भी रोकथाम लगेगी। 24 मार्च को विश्व क्षय रोग दिवस मनाया जाता है। विशेषज्ञ चिकित्सकों का कहना है कि मौजूदा समय में टीबी की बीमारी का पूरी तरह से इलाज संभव है। अगर समय रहते इसका इलाज कर लिए जाए तो टीबी का मरीज पूरी तरह से ठीक हो सकता है। इसलिए जिन लोगों को दो सप्ताह से अधिक की खांसी हो तो तुरंत चिकित्सक को दिखाए। टीबी बीमारी समय से डिटेक्ट होने पर इलाज मिल जाएगा तो यह ठीक हो जाएगी। इसके साथ ही मरीज और उसके परिवार के लोग भी सुरक्षित रहेंगे। लेकिन बहुत से लोग इसे छिपा और गंभीर कर लेते है। चिकित्सकों का कहना है कि अगर महिला को टीबी है और उसका इलाज चल रहा है तो वो अपने बच्चे को दूध पिला सकती है। वहीं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. रितु श्रीधर, डॉ. जितेंद्र शर्मा, डॉ. पायल पुरी और डॉ. प्रतीक गर्ग ने शिशुओं को होने वाली टीबी के बारे में बताया कि मां का नियमित उपचार चल रहा है और उसकी स्थिति दूसरों को संक्रमित करने वाली नहीं है तो एहतियात बरतकर शिशु को स्तनपान करवाया जा सकता है। यदि संक्रमण की स्थिति में है तो फिर मां के द्वारा निकाले गए ब्रेस्ट मिल्क को परिजनों की मदद से शिशु को पिलाया जा सकता है। हालांकि, इसमें मरीज की स्थिति और उसके उपचार के आधार पर निर्णय चिकित्सक की सलाह पर ही लेना चाहिए। चिकित्सकों का कहना है कि टीबी स्तन के दूध से नहीं फैलती। यह एक हवाई बीमारी ( वायु जनित रोग ) है जो खांसी, छींक या बात करने से हवा में फैलती है। किसी भी आयु वर्ग के व्यक्ति को हो सकता है क्षय रोग आईएमए की अध्यक्ष डॉ. प्रीति गुप्ता ने बताया कि टीबी किसी भी आयु वर्ग या आर्थिक स्थिति के व्यक्ति को हो सकती है। यह बीमारी वायु जनित है और किसी भी व्यक्ति को हो सकती है जो टीबी बैक्टीरिया के संपर्क में आता है। टीबी एक संक्रामक बीमारी है जो टीबी बैक्टीरिया के संपर्क में आने से होती है। यह बीमारी पारिवारिक नहीं है और किसी भी व्यक्ति को हो सकती है। यदि रोगी का इलाज समय पर और सही तरीके से किया जाए तो वह जल्दी ही स्वस्थ हो सकता है और समाज में अपनी भूमिका निभा सकता है। संक्रमण से हो सकती है निसंतान की समस्या आईएमए की सचिव डॉ. सुदीप कौर ने बताया कि टीबी के संक्रमण की वजह से निसंतान की समस्या भी हो सकती है। 20 से 30 प्रतिशत दंपती की जब हम जांच करते है तो ट्यूबरक्लोसिस का संक्रमण पाया जाता है। टीबी महिलाओं में नलों पर इफेक्ट करती है। जिससे नले सिकुड़ जाते है और बंद हो जाता है। अन्यथा ट्यूबरक्लोसिस की वजह से एंडोमेट्रियम पर भी टीबी इफेक्ट करती है, जिससे वह कम बनती है। जिससे बच्चा ठहरने में दिक्कत होती है। बच्चे से अलग रहना चाहिए और सीधे स्तनपान से बचना चाहिए यदि मां को टीबी का इलाज शुरू हो चुका है और वह कम से कम 2 सप्ताह से दवाइयां ले रही है तो वह अपने बच्चे को सुरक्षित रूप से स्तनपान करा सकती है। टीबी के बैक्टीरिया ( माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरक्यूलोसिस ) स्तन के दूध के माध्यम से बच्चे में नहीं फैलते। हालांकि, अगर मां का टीबी अनुपचारित और सक्रिय है तो उसे कुछ समय के लिए बच्चे से अलग रहना चाहिए और सीधे स्तनपान से बचना चाहिए। -डॉ. नूपुर सिंह, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ। नियमित जांच और उपचार से मरीज स्वस्थ हो सकते हैं एमडीआर ( मल्टी ड्रग रजिस्टेंस ट्यूबरक्लोसिस ) को आम भाषा में बिगड़ी हुई टीबी कहा जाता है। इसमें मरीजों के बचने का रेट 50 फीसदी है। हालांकि, नियमित जांच और उपचार से मरीज स्वस्थ हो सकते हैं। आमतौर पर एमडीआर टीबी तभी बनती है, जब सामान्य टीबी का निर्धारित कोर्स को नियम से पूरा नहीं किया जाए।-डॉ. वैभव गुप्ता, छाती एवं सांस रोग विशेषज्ञ इम्युनिटी कम होने से मानसिक बीमारियां बढ़ती हैं- टीबी से मानसिक बीमारियों के बढ़ने की आशंका रहती है। इसकी एक वजह सामाजिक सहयोग नहीं मिल पाना है। इससे मरीज को डर, घबराहट, उदासी, निराशा बढ़ जाती है। इम्युनिटी कम होने से मानसिक बीमारियां बढ़ती हैं। दवाइयों का असर अवसाद और मानसिक उन्माद का शिकार बना देता है। ऐसे में मनोरोग विशेषज्ञ की मदद लेनी चाहिए।-डॉ. नीरज गुप्ता, मनोरोग विशेषज्ञ टीबी बीमारी के लक्षण लगातार 2 सप्ताह से अधिक खांसी बुखार, थकान व वजन का घटना रात में पसीना आना खांसी में खून आना सांस लेने में तकलीफ

## संक्षिप्त समाचार

# हत्याकांड में सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर की भूमिका संदिग्ध, शुरू हुई जांच

मुरादाबाद- सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर वीर सिंह हत्याकांड में रिटायर्ड बैंक मैनेजर की भूमिका संदिग्ध है। पुलिस द्वारा कोर्ट में दाखिल की गई चार्जशीट के साथ लगाई गई सीडीआर की मृतक की अधिवक्ता बेटी ने रिव्यू किया तो रिटायर्ड बैंक मैनेजर की आरोपित महिला से लगातार बातचीत होने की बात सामने आई।पुलिस द्वारा विवेचना के बाद दाखिल की गई चार्जशीट के माध्यम से ही रिटायर्ड बैंक मैनेजर की भूमिका हत्याकांड में सामने लाकर मृतक की अधिवक्ता बेटी ने पुलिस की जांच में कई सवाल खड़े कर दिए हैं। एसएसपी ने इस हत्याकांड की दोबारा से जांच शुरू करा दी है। तीनों आरोपी इस समय जेल में है और महिला आरोपी की हाईकोर्ट से भी जमानत याचिका खारिज हो चुकी है।

थाना मझोला क्षेत्र के मानसरोवर निवासी सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर वीर सिंह का शव 16 अगस्त वर्ष 2024 की रात मैनाठेर क्षेत्र के दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे पर मिला था। शुरुआत में पुलिस इस मामले को हादसा मान रही थी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया तो पता चला कि वीर सिंह की गला दबाकर हत्या की गई है। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। पुलिस की जांच में एक संदिग्ध कार सीसीटीवी कैमरों में मृतक बैंक मैनेजर की बाइक का पीछा करते हुए नजर आई थी। पुलिस ने कार के नंबर प्लेट से इसकी आगे की पड़ताल की तो कार में एक महिला और दो लोगों के बारे में जानकारी मिली। कार सवार तीनों लोग अपने-अपने मोबाइल घर छोड़कर आए थे। जिससे लोकेशन ट्रेस न हो सके, लेकिन पुलिस जांच के दौरान तीनों को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने बताया था कि इस हत्याकांड में मुख्य आरोपी मनोज कुमार अमरोहा में यूपी ग्रामीण बैंक पपसरा में ब्रांच मैनेजर हैं। मृतक वीर सिंह मनोज से परिचित थे और नौकरी के दौरान दोनों में अच्छे संबंध थे, लेकिन वीर सिंह के सेवानिवृत्त होने के बाद किसी का लोन कराने के लिए दोनों के बीच विवाद हो गया था।

विवाद के बाद दोनों रंजिश मानने लगे थे। मनोज सेवानिवृत्त मैनेजर से इतनी रंजिश मान बैठा की उसने वीर सिंह की हत्या करने का मन बना लिया। इसके लिए मनोज ने अपनी परिचित वीरबाला यादव से वीर सिंह को हनी ट्रैप में फंसवाया और चार माह तक साजिश करते रहे। 16 अगस्त को मनोज अपने दोस्त अनिल कुमार गुप्ता साजिश में शामिल में किया और वीरबाला यादव को वीर सिंह के पास मिलने के लिए भेज दिया। महिला मुरादाबाद क्षेत्र में पहुंची और वीर सिंह को बुला लिया था। महिला वीर सिंह के साथ बाइक से वहां पर पहुंच गई, जहां पहुंचना तय हुआ था।

दोनों बाइक रोककर सड़क किनारे खड़े होकर बातचीत करने लगे थे। इसी बीच कार से पहुंचे मनोज, अनिल कुमार गुप्ता व वीरबाला ने वीर सिंह की गला दबाकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने इस मामले तीनों आरोपियों को जेल भेजने के बाद एक अक्टूबर को विवेचना के बाद चार्जशीट दाखिल कर दी थी। मृतक की बेटी मानसी चौधरी अधिवक्ता हैं तो उन्होंने पुलिस द्वारा दाखिल की गई

चार्जशीट और तीनों आरोपियों की मोबाइल सीडीआर का रिव्यू करना शुरू कर दिया। सीडीआर की रिव्यू किया तो जानकारी मिली की एक सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर इस हत्याकांड के दिनों में तीनों आरोपियों के संपर्क में था। रिटायर्ड बैंक मैनेजर तीनों आरोपियों से फोन पर बात कर रहा है। ऐसे में मृतक की अधिवक्ता की बेटी को रिटायर्ड बैंक मैनेजर की भूमिका संदिग्ध लगी तो वह एसएसपी सतपाल अंतिल से मिली। एसएसपी ने पूरे मामले की जानकारी करके जिन बिंदुओं पर वह दोबारा से जांच चाहती वह शुरू करा दी।

दोबारा से मैनाठेर पुलिस इस हत्याकांड में सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर की भूमिका की जांच कर रही है। इस संबंध में एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि पीड़ित ने कुछ बिंदुओं पर जांच कराने की मांग की थी। उन बिंदुओं पर दोबारा जांच शुरू कराई गई है। हत्याकांड में रिटायर्ड बैंक मैनेजर की भूमिका है। जिन दिनों हत्या हुई उस दौरान मैनेजर की लगातार आरोपियों से बात हुई है। इसमें हमने एसएसपी से शिकायत की है। शिकायत पर जांच शुरू हो गई है। जब आरोपी वीरबाला ने हाईकोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की तो मैनेजर की बातचीत का रिकार्ड हमने कोर्ट में दाखिल किया है- मानसी चौधरी, मृतक की अधिवक्ता बेटी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

# इनरव्हील साउथ की मेंबर्स ने मनाई हसबैंड नाइट

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। इनर व्हील क्लब बरेली साउथ के द्वारा हस्बैंड नाइट का आयोजन एग्जीक्यूटिव क्लब में बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। जिसमें इनर व्हील सदस्यों के पतियों को सादर आमंत्रित किया गया था। इस आयोजन की थीम रेट्रो थी। जिसमें सब सदस्याऐ बड़े सुंदर परिधानों में सज-संवर कर आई थी। कार्यक्रम का शुभारंभ वन मंत्री डॉ अरुण कुमार जी के द्वारा किया गया। इस अवसरपर उन्होंने कहा कि इनर व्हील क्लब बरेली साउथ बरेली ही नहीं अपितु आसपास के भी शहरों में एक अग्रणी क्लब है उन्होंने कहा की जब पोलियो की दवा पिलाने के लिए गांव-गांव जाते थे तो उनके साथ इनर व्हील साउथ की सदस्याऐ भी कंधे से कंधा मिलाकर साथ जाती थी और गांव वालोंके बच्चों को दवा पिलाने के लिए समझाती थी।

साथही इस अवसर पर क्लब की चार्टर अध्यक्ष डॉ कंवल मेहरा, चार्टर मेंबर्स तथा क्लब के पूर्व अध्यक्षों को भी सम्मानित किया गया। पीडीसी, पीएटी डॉ कंवल मेहरा ने बताया कि इनर व्हील साउथ समाज सेवा के कार्यों में हमेशा से अग्रणी रहा है इस बार बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन भी लगवाई गई है। पूर्व डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन रेनू अग्रवाल ने कहा कि इस क्लब को एक बट वृक्ष की तरह बनाने में सभी का योगदान रहा है। मंच का संचालन ममता तनेजा तथा शिवानी जैन के द्वारा बड़ी खूबसूरती से किया गया। क्लब अध्यक्ष रूबी तनेजा के द्वारा कार्यक्रम को बहुत ही व्यवस्थित तरीके से तैयार किया गया । सचिव मनीषा मेहरा ,निधि अग्रवाल, मनीषा अग्रवाल, प्रसून अग्रवाल, प्रीती जिंदल ,स्वीटी मित्तल, नीना टंडन, रोशनी अग्रवाल, अर्चना मलिक, स्वस्ति जायसवाल, नीता अग्रवाल, मनीषा पांडे, रंजना ठाकुर, भावना अग्रवाल आदि का पूर्ण सहयोग रहा । हसबैंड नाइट में रवि प्रकाश अग्रवाल, डॉक्टर रवि मेहरा, अप्रूव गुप्ता, राजीव तनेजा, अजय जसोरिया, अशोक ठाकुर, अनूप अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, पंकज जैन, संजय अग्रवाल , संजीव खंडेलवाल, संदीप मेहरा मौजूद रहे ।

# डोली से पहले उठी अर्थी, शोहदों ने छेड़छाड़ की तो फंदे से झूल गई आहत युवती; मां ने दी नामजद तहरीर

मां ने बताया कि बेटी का विवाह तय हो गया था। 18 अप्रैल को तिलक एवं 30 अप्रैल को बरात आनी थी। रविवार शाम को वह दवा लेने गई थी। रास्ते में गांव के ही दो शोहदों ने उससे छेड़छाड़ की। घर आकर उसने यह बात बताई। सुबह मनचलों के घर जाकर बात करने का सोचा था। इससे पहले ही बेटी ने जान दे दी। यूपी के श्रावस्ती में शोहदों से परेशान युवती ने फंदे से झूलकर जान दे दी। घरवालों ने देखा तो वह चीख पड़े। शोर सुनकर पहुंचे गांव के लोग परेशान मां को ढांढस बंधाते रहे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।घटना इकौना थाना क्षेत्र के एक गांव की है। गांव निवासी युवक दो माह पूर्व मजदूरी करने दिल्ली गया था। घर पर उसकी पत्नी एवं पुत्री रहती थी। रविवार की रात बेटी का शव कमरे में छत के पंखे से दुपट्टे के सहारे फंदे से लटकता मिला। लाश देख मां की चीख निकल गई। चीख पुकार सुनकर गांव के लोग जमा हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने मौका मुआयना करके साक्ष्य संकलित किए। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।मामले में मां ने गांव के ही दो शोहदों के विरुद्ध नामजद तहरीर दी है। सीओ सतीश कुमार शर्मा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। आरोप की पुष्टि होने पर आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा जाएगा। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

# पंजाब मेल से पाकिस्तान की महिला शहनाज का पर्स चोरी, बरेली जीआरपी तलाश में जुटी

पाकिस्तान के कराची में रहने वाली महिला पंजाब मेल से बरेली अपने मायके आ रही थीं। चलती ट्रेन में उनका पर्स चोरी हो गया। महिला ने बरेली पहुंचकर जीआरपी थाने में तहरीर दी है। अमृतसर-हावड़ा के बीच चलने वाली 13006 पंजाब मेल से पाकिस्तान की महिला का पर्स चोरी हो गया। महिला ने बरेली के जीआरपी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है। बरेली जीआरपी जांच कर रही है। पर्स रामपुर के पास चोरी हुआ था। ेली में है मायका - पाकिस्तान के कराची के देहली मेंशन नाथ वार्स रोड निवासी शहनाज बेगम पत्नी शहिद हुसैन की बरेली के बारादरी क्षेत्र में मायका है। शहनाज अपनी बीमार मां को देखने के लिए पाकिस्तान से रविवार को अमृतसर पहुंची थीं। वहां से शाम 6ञ्36 मिनट पर चलने वाली पंजाब मेल में बरेली के लिए सवार हुईं। वह ट्रेन के कोच नंबर बी-2 की सीट नंबर पांच पर थीं। ट्रेन सोमवार तड़के 5ञ्30 बजे रामपुर पहुंची। इससे पहले शहनाज को नींद आ गई। ट्रेन के बरेली पहुंचने से पहले उनकी आंख खुली तो देखा की उनका पर्स गायब था।

# शादी का झांसा देकर ब्यूटी पार्लर संचालिका से बनाए संबंध, गिरफ्तार

शादी का झांसा देकर युवक ने ब्यूटी पार्लर संचालिका से संबंध बनाए। शादी करने से इनकार कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।गुजैनी में ब्यूटी पार्लर संचालिका को शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने के आरोपी गुजैनी निवासी अभय विश्वकर्मा को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उसके खिलाफ पीड़िता ने गुजैनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।पीड़िता के मुताबिक कुछ साल पहले एक कार्यक्रम के दौरान दोनों की मुलाकात हुई थी। इसके बाद दोस्ती और नजदीकियां बढ़ गईं। इसके बाद आरोपी ने कई बार मनमानी की।हालांकि शादी की बात करने पर आरोपी हर बार टाल जाता। दबाव बनाने पर गालीगलौज और मारपीट करता। गुजैनी थाना प्रभारी विनय तिवारी ने बताया कि पीड़िता ने दिसंबर 2024 में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। तब से पुलिस को उसकी तलाश कर रही थी। सोमवार सुबह उसे टाटमिल चौराहे से गिरफ्तार किया गया था।

# संभल हिंसा- जामा मस्जिद सदर की जमानत अर्जी कोर्ट में दाखिल, 27 मार्च को सुनवाई, वकीलों ने पुलिस पर उठाए सवाल

संभल बवाल में गलत बयानबाजी के आरोप में गिरफ्तार जफर अली एडवोकेट की जमानत अर्जी न्यायालय में पेश की गई। इसकी सुनवाई अगली तारीख 27 मार्च को होगी। वकीलों ने विशेष सुनवाई के लिए कमेटी बनाकर प्रार्थना पत्र दिया। संभल बवाल में गलत बयानबाजी करने के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किए गए सदर जफर अली एडवोकेट की जमानत अर्जी सोमवार को जनपद न्यायालय में प्रस्तुत की गई। जमानत पर अगली तारीख 27 मार्च सुनवाई के लिए निर्धारित की गई है। रविवार को वकीलों ने सदर की जमानत अर्जी पेश की थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया था।रविवार को जमानत अर्जी खारिज होने के बाद अधिवक्ता आंदोलित हो गए। सोमवार को चंदौसी बार एसोसिएशन के बैनर तले एक आम सभा का बार सभागार में आयोजन किया गया। जिसमें जफर अली एडवोकेट की जमानत की अर्जी पर सुनवाई जल्द से जल्द कराने के लिए योजना बनाई गई।जिसके अंतर्गत हड़ताल होने के बावजूद विशेष सुनवाई के लिए कमेटी का गठन किया गया। कमेटी ने जनपद न्यायालय में जमानत अर्जी की सुनवाई के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। जमानत अर्जी जनपद न्यायालय से स्थानांतरित होकर एडीजे निर्भय नारायण राय के न्यायालय में पेश हुई। जहां न्यायालय ने जमानत अर्जी पर सुनवाई के लिए 27 मार्च की तिथि निर्धारित कर दी। न्यायिक कार्य से विरत रहे अधिवक्ता, पुलिस की कार्रवाई पर उठाए सवाल बार एसोसिएशन चंदौसी के अधिवक्ता जामा मस्जिद के सदर जफर अली एडवोकेट को जेल भेजे जाने पर लामबंद हो गए हैं। जिसको लेकर सोमवार की सुबह 11 बजे बार सभागार में अधिवक्ताओं की एक सभा हुई। जिसमें अधिवक्ताओं ने कमेटी का गठन कर सदर जफर अली की जमानत अर्जी पर सुनवाई को लेकर बल दिया। इस दौरान अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे। सभा को संबोधित करते हुए बार अध्यक्ष मो. नजर कुरैशी ने कहा कि पुलिस द्वारा जिला न्यायालय को छावनी बना दिया गया। अधिवक्ता को गुनहगार बताते हुए गलत रूप से जेल भेज दिया गया। विनोद कुमार सिंह ने बताया कि जफर अली को ऐसे मुकदमे में पकड़ कर लाया गया, जिस एफआईआर में उनका नाम ही नहीं था और गलत तरीके से धाराएं बढ़ा कर जेल भेज दिया गया। सगीर सैफी ने कहा कि आज हम हड़ताल करें तथा एक कमेटी का गठन किया जाए। जिसको बार के पदाधिकारी अनुमति देकर जफर अली एडवोकेट की अर्जी पर सुनवाई करवाएं। पूर्व अध्यक्ष राजेश सिंह ने कहा कि प्रशासन बेलगाम है। सभा को संबोधित करने वालों में विनय राज, संजय शर्मा, श्रीगोपाल शर्मा, मिक्की मियां, नितिन सिंह विक्की थे। जिन्होंने अपने-अपने विचार रखे। इस अवसर पर राजेश कुमार यादव, रमेश चंद्र शर्मा, शकील अहमद वारसी, मो. मलिक, विकास राघव, सुभाष यादव, तीरथ राज यादव, दयासिंधु यादव, महेश यादव, अनिल कुमार तुरैहा, नदीम अहमद, रामरहीश, गोपेश कुमार, उमाकांत, राहुल चौधरी, किरन शर्मा, योगेश कुमार सिंह समेत तमाम अधिवक्ता उपस्थित रहे। अध्यक्षता बार अध्यक्ष मो. नजर कुरैशी व संचालन सचिव सचिन गोयल ने किया। कमेटी यह अधिवक्ता हैं शामिल सोमवार को हुई बार एसोसिएशन की सभा में कमेटी का गठन किया गया।

# राज्य मंत्री का स्वागत -सम्मान किया

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।एम 0एल 0सी 0सभापति सुरेंद्र चौधरी , विधान परिषद संसदीय अध्ययन समिति उत्तर प्रदेश का बरेली में प्रथम बार आगमन पर जोरदार स्वागत- सम्मान करने सर्किट हाउस बरेली पहुंचे पूर्व ब्लाक प्रमुख नवाबगंज विनोद दिवाकर रिठौरा चेयरमैन शकुंतला देवी, धनपाल सिंह, समाजसेवी दिनेश भास्कर, साथ में रहे अनुसूचित जाति सभासद नीरज कुमारी,पीलीभीत एमएलसी प्रतिनिधि सत्येंद्र चौधरी ,मनोज चौधरी पूर्व प्रधान जितेंद्र दिवाकर , नितेश भास्कर गोपाल भास्कर सहित तमाम पदाधिकारीयों ने स्वागत -सम्मान किया।

# विश्व टीबी दिवस पर हुई विशेष जागरूकता संगोष्ठी

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।विश्व टीवी दिवस पर नगर के रूहेलखंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में विशेष जन-जागरूकता संगोष्ठी का सोमवार को आयोजन किया गया।एच0ओ0डी0 डॉ रश्मि कत्याल, डॉ हसन जैदी ने अपने -अपने व्याख्यान में टीवी के होने के कारण और बचाव विषय पर जागरूक करते हुए। बीड़ी, सिगरेट तंबाकू,शराब आदि का नशा न करने के साथ ही टीवी के मरीजों को निशुल्क दवा लेने तथा पूरा कोर्स करने पर यह बीमारी जड़ से खत्म हो जाती है। इस दौरान डॉ अनिकेत शुक्ला, डॉ अरबाब हाशमी, डॉ अम्बिका रॉय, डॉ अभिलाषा जागलान, डॉ अभिषेक यादव, डॉ अमन गर्ग, डॉ आदिति नारायण, डॉ अजयवीर हसन, डॉ आदिति ब्रमान, कासिम हुसैन,पूजा शर्मा, दीपमाला, अरमान,अनुराधा,मंजू,नेहा,वेदपाल, राजीव सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

# होली मिलन समारोह में फूलो से खेली होली, समाज के लोगो ने लिया धूमधाम के किया कार्यक्रम का समापन

क्यूँ न लिखूँ सच

किच्छा - जोशी ब्राह्मण महा सभा यू.पी. × उत्तराखण्ड के वेनर तले होली मिलन समारोह का आयोजन किच्छा में संपन्न हुआ जिसमे समाज के लोगो ने दीप प्रज्वलित पुष्प अर्पित कर भगवन परशुम की आरती की और फूलो की होली खेलते हुए आपस में होली की शुभकामनाएं दी जोशी ब्राह्मण महा सभा यू.पी. × उत्तराखण्ड द्वारा संचालित किया गया मनमोहक कार्यक्रम होली मिलन समारोह बार्षिक महोत्सब हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष श्री रमेश चन्द शर्मा ने कहा - सर्व प्रथम समाज में फैली कुरीतियो को खत्म करके शिक्षा व्वस्था पर ज्यादा ध्यान देने की जरुरत है हमें अपने समाज को शिक्षित कर समाज में बदलव




लाना है उसके बाद विशेष सचिव सुखराम जोशी ने कहा की हमे समाज के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए ताकि समाज आगे और तरक्की करे उधमसिंह नगर जिला अध्यक्ष राजीप जोशी बोले की हमें अपने समाज की हर समस्या कर ध्यान देते हुए उसे सुधार करना हम सब का कर्तव्य है और समस्त जोशी समाज ने पत्येक जिला कार्यकारणी को विशेष कार्यक्रम करने को जोर दिया गया जलपान की पूर्ण व्यस्था समाज के लोगो ने की बच्चों ने इस दौरान होली के भजनों पर नृत्य किया

इस कार्यक्रम में मुरादाबाद से मण्डल अध्यक्ष अरविन्द जोशी ,आगरा मण्डल अध्यक्ष अरुण जोशी,सूर्य प्रकाश अरविन्द ,अमित , राकेश,जीतेन्द्र , सुरेश( रुद्रपुर), राकेश ( रुद्रपुर ) प्रमोद, ललित,विनोद, सन्नी, ब्रजेश कुमार , उमेश,अजय. अरविन्द( पिंटू ) राजू,मुनीश, रामू, महेश पांडे, प्रदीप, अखिलेश,अमन आदि समाज के लोगो ने प्रतिभाग किया

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश ( Birthday, anniversary, any kind of message ) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

## संक्षिप्त समाचार

# दरोगा दीपचंद प्रकरण में होगी जांच, एसएसपी ने गठित की कमेटी

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। एंटी करप्शन टीम पर पिछले साल दलालों से सेटिंग कर कार्रवाई का आरोप लगा था, अब पचास हजार रुपये की रिश्वत मांगने में जेल भेजे गए दरोगा दीपचंद की पत्नी ने गंभीर आरोप लगाकर एसएसपी से शिकायत की है। एसएसपी ने तीन अधिकारियों की जांच कमेटी बना दी है। इसकी रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई तय होगी। बरेली की भुड़िया कॉलोनी चौकी के प्रभारी दीपचंद को एंटी करप्शन बरेली की टीम ने चौकी में ही 50 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा दिखाया था। अगले दिन मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया। आरोप था कि पिता और तीन बेटों को मारपीट के मामले में गिरफ्तारी से बचाने के नाम पर 50 हजार रुपये लिए गए थे।

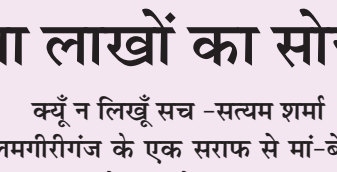



# फर्जी एफडी दिखाकर सराफ से ठगा लाखों का सोना

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। आलमगीरीगंज के एक सराफ से मां-बेटे समेत पांच लोगों ने 14 लाख रुपये का सोना ठग लिया। पैसे मांगने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। सराफ ने कोतवाली में पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

आलमगीरीगंज निवासी अमित वर्मा ने बताया कि उनकी हर्ष ज्वैलर्स नाम से दुकान है। छह महीने पहले दुकान पर मयूर गोयल और उनकी मां आशा गोयल जेवर खरीदने के लिए आए थे। अमित ने बिना गारंटी के मां-बेटे को जेवर उधार देने से इन्कार कर दिया। इस पर विजय गोयल, मयंक गोयल और वरुण ने उनकी गारंटी ले ली। गारंटी के बाद उन्होंने मयूर और आशा गोयल को आभूषण उधार देने शुरू कर दिए। दोनों मां-बेटे भुगतान भी करते रहे, जिससे भरोसा बढ़ गया। 29 अक्टूबर 2024 को मयूर, आशा गोयल, मयंक, विजय और वरुण एक साथ आए और 14 लाख रुपये का सोना उधार ले गए और कहा कि जल्द ही भुगतान कर देंगे। सभी ने गारंटी के तौर पर भारतीय स्टेट बैंक का 20 लाख रुपये का चेक उन्हें दिया और एफडी भी दिखाई। एफडी की मूल प्रति मांगने पर सभी आरोपी टालमटोल करने लगे। इसके कुछ दिन बाद अमित को पता चला कि एफडी फर्जी है। उनसे पहले भी आरोपी कई व्यापारियों को ठग चुके हैं। जब उन्होंने आरोपियों से पैसे मांगे तो वे धमकी देने लगे। पीड़ित ने पुलिस को ऑडियो कॉल रिकार्डिंग के सबूत भी सौंपे हैं। अमित की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आशा गोयल, मयूर गोयल, वरुण, विजय, मयंक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

# विद्या वर्ल्ड में समारोह पूर्वक स्कालर गाउन पहनकर किया परीक्षाफल वितरण

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। विद्या वर्ल्ड स्कूल में रविवार को कक्षा प्रथम से अष्टम तक के छात्रों का वार्षिक परीक्षा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश पूजन तथा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन विद्यालय के प्रबंधक योहान, मुख्य अतिथि अपूर्वा अग्रवाल व अन्य अध्यापिकाओं ने किया। समारोह में छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इसी के सभी छात्र छात्राओं को परीक्षाफल वितरण किए गए। वहीं मेधावी छात्रों को सकलर गाउन पहनकर परीक्षाफल के साथ उपहार देकर सम्मानित किया गया। जिनको पाकर छात्र तथा अभिभावकगण बहुत उत्साहित तथा प्रसन्नचित दिखाई दिए। वहीं लिली फिफ्थ के छात्र प्रबल साहनी ने बताया हमारे स्कूल में अनुशासन के साथ पढ़ाई होती है। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने सभी छात्रों का हौसला बढ़ाते हुए उनके प्रयासों की सहाराना की और उन्हें सीखने के लिए प्रेरित किया।

# डा. लोहिया जी के सिद्धांत पी. डी. ए. के हित मे - रविन्द्र प्रधान जोगी

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

थानाभवन( शामली )। सपा नेता वतन सिंह सैनी के निवास स्थान रसीदगढ़ मे सपा नेताओ द्वारा डा.राममनोहर लोहिया के -- जन्मदिन पर विचार गोष्ठी कर जयंती मनाई गई, जिसकी अध्यक्षता राशिद मलिक ( जिला सचिव पिछड़ा वर्ग सपा ) ने कि, विचार गोष्ठी मे पिछड़ा वर्ग के प्रदेश सचिव रविन्द्र प्रधान जोगी ने अपने विचारों मे कहा की डा. राममनोहर लोहिया के सिद्धांत देश प्रदेश मे क्रांति के रूप मे विख्यात हुवे है, जिससे समाजवाद का परचम लहराया ओर

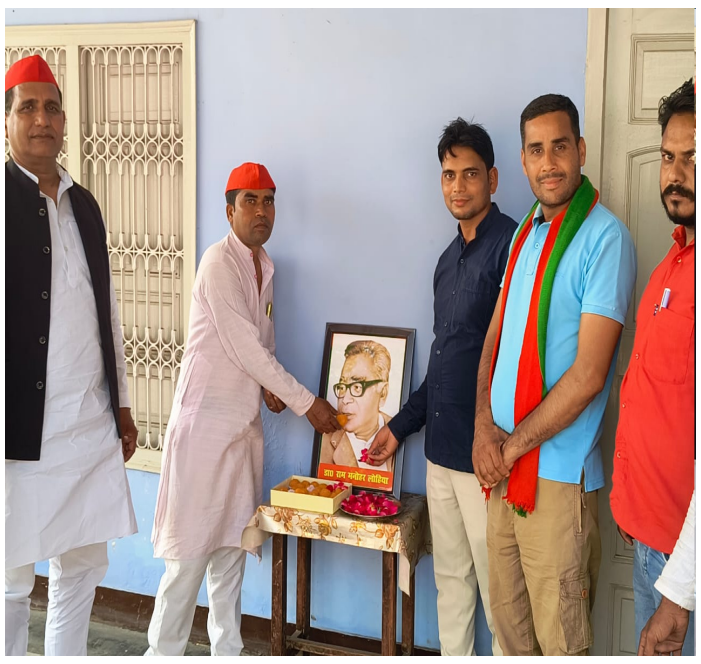

पिछड़ा,दलित,अल्पसंख्यक के हितो के लिए अमर है,सपा नेता वतन सिंह सैनी ने कहा कि पूर्व की भाति सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव की सरकार मे डा. लोहिया के सिद्धांत पर चलकर उनके नाम से अनेको योजना विकास के रूप मे चली, जिनको 2027 मे फिर से अखिलेश यादव के नेतृत्व मे पी. डी.ए की सरकार मे पुरे प्रदेश मे सुचारु रूप से चलाई जायेगी, यूथ विग्रेड़ के प्रदेश सचिव रिजवान राजा ने कहा की बीजेपी महापुरुषों के सिद्धांतो से जनता का ध्यान हटाकर देश मे उनके सामाजिक कार्यों को कमजोर दर्शाकर उनके सिद्धांतो को धूमिल करना चाहती है , जिसे हिन्दू मुस्लिम एकता ने समाजवादी पी.डी.ए पख्वाड़ा के रूप मे पूरे प्रदेश मे देखने को मिल रहा है, राशिद मलिक ने युवाओं को आग्रह करते हुवे कहा की नशा छोड़कर देश के सामाजिक, आर्थिक, क्रान्तिकारी एवं राजनैतिक विद्वानों के बारे मे पढ़ना चाहिए, साथ रहें डा. अनुज सैनी ( मीडिया प्रभारी सपा शामली ) ने डा. राममनोहर लोहिया के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर मिष्ठान वितरित किया,गोष्ठी मे शौकीन अब्बाशी, सीटू सैनी,अब्दुर्रहमान, आकाश शर्मा, प्रमोद सैनी आदि!!

# डीएम ने की चकबंदी के कार्यों की समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच

जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव में कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेई सभागार में चकबंदी विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए ऑडिट आपत्तियों का समय से निस्तारण कराने

व सेवानिवृत्ति व्यक्तियों को सेवानिवृत्ति के दिन ही उनके देयको का भुगतान कराने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि चकबंदी कार्यालय में कार्मिकों को उनके कार्यभार व मानक अनुरूप तैनाती दी जाए। उन्होंने चकबंदी आपत्तियों का प्राथमिकता पर निस्तारण कराने के लिए भी कहा। जिलाधिकारी ने पिछली बैठक से अभी तक कोई विशेष प्रगति न होने पर अपनी नाराजगी भी व्यक्ति तथा चकबंदी के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि कार्यों को समय सीमा के अंतर्गत निस्तारित करें। जिलाधिकारी ने समीक्षा बैठक में धारा 7 जिसके अंतर्गत भूचित्र का पुनरीक्षण आता है, धारा 22 जिसमें प्रारंभिक चकबंदी का प्रशासन व निर्माण आता है, धारा 24 जिसमें कब्जा परिवर्तन , धारा 27 जिसके अंतर्गत अंतिम अभिलेख की तैयारी होती है सहित विभिन्न धाराओं व प्रारूपों पर एक-एक कर चर्चा की व आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बैठक में पाया कि 10 वर्ष से अधिक के 09 ग्राम तथा 10 वर्ष से कम के 06 ग्राम कुल 15 चकबंदी ग्रामों के कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कोई भी चकबंदी के कार्यों का विरोध ना करें, इसके लिए अधिकारी ग्रामीणों से परस्पर समन्वय स्थापित करें क्योंकि जो भी कार्य कराया जा रहा है वह जनहित को सर्वोपरि मानकर कराया जा रहा है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वैभव शर्मा, जिला राजस्व अधिकारी प्रवर्धन शर्मा सहित अन्य चकबंदी के विभागीय अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में जनपद बहराइच के सराहनीय कार्य

क्यूँ न लिखूँ सच

जनपद में कुल 01 वांछित/अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार, थानावार विवरण आबकारी अधिनियम, आयुध अधिनियम, जुआ अधिनियम, स्वापक औषधि और मन: प्रभावी पदार्थ अधिनियम के अन्तर्गत जनपदीय पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही- 1. थाना बौण्डी पुलिस द्वारा कृत कार्यवाही- अभियुक्त माधवराज पुत्र स्व0 शंकर निवासी ग्राम कारीपुरवा दा0 कौड़हा थाना बौण्डी जनपद बहराइच सम्बन्धित मु0अ0सं056/2025 धारा 3/5/25 आर्म्स एक्ट 02 अदद नाजायज देशी तमंचा .315 बोर व 01 अदद नाजायज देशी तमंचा .12 बोर व 01 अदद खोखा कारतूस .12 बोर व अर्ध निर्मित तमंचा एवं शस्त्र बनाने के उपकरण/सामाग्री के साथ गिरफ्तार

### 17 साल बाद भी लोग मरहूम सांसद चौधरी मुनव्वर हसन साहब को याद करके रोते हैं

क्यूँ न लिखूँ सच -मनीष मित्तल

कैराना, शामली। पश्चिम उत्तर प्रदेश में क्या पूरे भारत में अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले मरहूम सांसद चौधरी मुनव्वर हसन साहब ने अपनी दरियादिली से लोगों के दिलों को जीता रखा था यही कारण है कि आज 17 साल बाद भी लोग उन्हें याद करके रोते हैं। मरहूम सांसद चौधरी मुनव्वर हसन साहब ने बहुत छोटी उम्र में देश के चारों सदनों में नुमाइंदगी की है देश के चार सदन लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और विधानपरिषद में नुमाइंदगी कर अपना नाम और अपने शहर कैराना का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया था। में मानता हूं की ऐसा मर्द दिलेर इंसान नेता एक शाताब्दी के बाद पैदा होता है। मैंने देखा कि सांसद चौधरी मुनव्वर हसन साहब लोगों से अपने परिवार से ज्यादा मोहब्बत करते थे मुनव्वर हसन साहब ने कभी जात धर्म को तो माना ही नहीं था। उनकी लोकप्रियता उनके जाने के बाद भी लोगों के दिलों में जगह बनाएं हुए हैं।

### अवैध शराब विक्रेताओं के विरूद्ध सूरजपुर पुलिस की कार्यवाही, 5 गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर। डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने अवैध कारोबार के विरूद्ध जीरो टारलेस की नीति अपनाते हुए नशे के कारोबार से जुडे लोगों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए है जिसके बाद से ही थाना-चौकी की पुलिस के क्षेत्र में सक्रिय मुखबीर का जाल बिछाए हुए है। इसी तारतम्य में दिनांक 23.03.2025 को थाना प्रेमनगर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि एक व्यक्ति गौरीपुर-कार्तिकपुर तिराहा के पास भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब रखा है और ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची जहां प्रेमसाय रवतिया पिता रनसाय उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम नवापारा कला, थाना प्रेमनगर को अंग्रेजी शराब के साथ पकड़ा, आरोपी के कब्जे से 70 पाव गोवा अंग्रेजी शराब कीमत 9450 रूपये का जप्त धारा 34( 2 ) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रेमनगर जे.एस.कंवर, एसआई मनोज सिंह, प्रधान आरक्षक महेन्द्र पटेल, आरक्षक धनंजय साहू, बेचूराम सोलंकी, विजय चौबे, सत्य नारायण तिवारी सक्रिय रहे। वहीं थाना भटगांव पुलिस के द्वारा ग्राम सलका निवासी बाबुलाल के कब्जे से 9 पाव गोवा अंग्रेजी शराब एवं शिवकुमार के कब्जे से 10 पाव गोवा अंग्रेजी शराब, थाना ओड़गी पुलिस के द्वारा ग्राम कुसमुसी-बसदेई निवासी लालसाय से 2 लीटर महुआ शराब तथा थाना रामानुजनगर द्वारा ग्राम लब्जी निवासी कलिन्दर से 3 लीटर महुआ शराब कुल कीमत 2050 रूपये का जप्त कर आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

# 51 घंटे लड़ी नेहा: तीन बच्चों की चिता ठंडी भी नहीं हुई, मां ने भी छोड़ दी दुनिया; योगेश को मिला श्राप हुआ पूरा

चंडीगढ़ पीजीआई में भर्ती नेहा की हालत गंभीर बनी हुई थी। डॉक्टरों ने उसे वेंटिलेटर पर रखा था। नेहा के सिर में भी गोली मारी गई थी। ऐसे में उसके सिर का काफी हिस्सा डैमेज हो चुका था। 51 घंटे तक चले इलाज के बाद आखिराकर उसने दम तोड़ दिया।यूपी के सहारनपुर स्थित सांगाठेड़ा गांव में तीन बच्चों की मौत के बाद आखिरकार मां नेहा रोहिला ने भी दम तोड़ दिया। नेहा का चंडीगढ़ के अस्पताल में इलाज चल रहा था। शनिवार ने शक और गुस्से में अपनी पत्नी और तीन दाग दी थीं। उसकी बेटी श्रद्धा ( 8 ), बेटे मौत हो गई थी, जबकि नेहा को जिला सेंटर रेफर किया गया था। परिजनों ने उसे कराया था। वहां डॉक्टरों ने उसे बचाने सपोर्ट सिस्टम पर रखा गया था और 51 घंटे तक मौत से जूझने के बाद सोमवार अलविदा कह गई।मां ने दिया था 17 साल रविवार को योगेश की बहनें घर आईं थीं कि 17 साल पहले तड़पती हुई मां ने जो मां ने कहा था कि बिल्लू ( योगेश के घर नहीं मिलेगा। 17 साल बाद योगेश के श्रद्धा, देवांश और शिवांश के शवों को बार-बार बेहोश हो रही थीं। वह बार-बार अंहकार व शक में घर के चिरागों को कोई न रहेगा% नेहा के मौसा राजपाल ने योगेश के माता-पिता और तीन बहनों की तब तड़पते हुए योगेश की मां ने कहा था तुझे पानी देने वाला भी कोई न रहेगा। तुझे

दोपहर भाजपा नेता योगेश रोहिला मासूम बच्चों के सिर में गोलियां देवांश ( 7 ) और शिवांश ( 4 ) की अस्पताल से गंभीर हालत में हायर चंडीगढ़ के अस्पताल में भर्ती की पूरी कोशिश की। उसे लाइफ उसकी हालत स्थिर बनी हुई थी। शाम नेहा भी इस दुनिया को पहले श्राप- वारदात के बाद जब तो बार-बार चिल्लाकर कह रहीं थीं श्राप दिया था वह सच हो गया। का नाम ) तुझे कभी शांति और सुख कुंठित दिमाग ने वह सच कर दिया। देखकर उनकी बुआ सीमा और गुड्डी कह रही थीं कि योगेश ने अपने बुझा दिया है। %तुझे पानी देने वाला बताया कि 17 साल पहले जब जहरीले पदार्थ से मौत हो गई थी, कि इस हवेली में तू अकेला ही रहे, कहीं भी शांति नहीं मिलेगी। दोनों बहनें मां की इन बातों को याद कर बिलख रहीं थीं। कई दिनों से साजिश रच रहा था योगेश पत्नी और तीन बच्चों को मौत के घाट उतारने वाला आरोपी योगेश पिछले कई दिनों से साजिश रच रहा था। वह खुद को मानसिक रूप से बीमार दिखाने की भी कोशिश कर रहा था। ग्रामीणों को बताया था कि वह सहारनपुर में किसी डॉक्टर के पास भी गया। जब उससे डॉक्टर का नाम पता पूछा गया तो वह इधर-उधर देखने लगा। पुलिस ने उसके पास से एक पिस्टल, 10 जिंदा कारतूस, चार खोखे और एक कारतूस नाल में फंसा हुआ बरामद किया। सवाल यह है कि योगेश के पास लाइसेंसी पिस्टल थी, लेकिन इतनी संख्या में कारतूस क्यों रखे हुए थे। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले ही उसने कारतूस खरीदे थे।खुद को दिखाता था मानसिक रूप से बीमार आसपास के लोगों ने बताया कि वह खुद को इस तरह दर्शाता था जैसे मानसिक रूप से बीमार हो। उसके साथ अन्याय हो रहा हो। ग्रामीणों की मानें तो वह कुछ दिन पहले सहारनपुर में एक मानसिक रोग विशेषज्ञ के पास भी गया था। हालांकि

जब उससे पर्चा मांगा गया था तो वह नहीं दिखा सका। यहां तक कि डॉक्टर का नाम और पता भी नहीं बता पाया। इन सभी तथ्यों को जोड़कर देखा जाए तो उसकी साजिश सामने आ रही है।पत्नी पर शक करता था योगेश- सांगाठेड़ा में योगेश और उसकी पत्नी नेहा के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था। इसके चलते कई बार झगड़े भी हुए और मायके पक्ष से लेकर योगेश के परिवार के लोगों को बीच में आना पड़ा। करीब 15 दिन पहले योगेश ने नेहा और तीनों बच्चों को घर से निकाल दिया था। सहारनपुर निवासी साढू नवीन राय ने बताया कि योगेश अपनी पत्नी पर शक करता था। इसे लेकर ही विवाद था। पुल के नीचे फेंक आया था नेहा का सामान- जिस दिन योगेश ने नेहा और बच्चों को घर से निकाला था, उसी दिन उसने नेहा के कपड़े, जेवर और अन्य सामान एक पोटली में बांधा और उसे गंगोह-नानौता मार्ग स्थित काठा पुल से नीचे फेंक दिया। जब ग्रामीणों ने पुल के नीचे पड़ी पोटली देखी, तो उन्होंने इसे किसी तांत्रिक क्रिया से जुड़ा समझकर हंगामा कर दिया। कई लोग वहां इकट्ठा हो गए और तरह-तरह की आशंकाएं जताने लगे, लेकिन जब यह सामने आया कि पोटली में पड़ा सामान योगेश की पत्नी का है तो ग्रामीणों ने उसे बाहर निकालकर धोया और वापस घर भिजवा दिया था।योगेश बेहद शातिर और दबंग प्रवृत्ति का ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें अदालत से उसकी जल्द रिहाई की आशंका सता रही है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य सलीम अख्तर सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि योगेश बेहद शातिर और दबंग प्रवृत्ति का व्यक्ति है। उन्होंने खुलासा किया कि योगेश ने गांव के ही मुकेश कुमार, बिल्लू मिस्त्री, शैलेंद्र सिंह, मांगेराम, इकबाल, नीतू, अंकित कुमार, जबर सिंह सहित कई लोगों पर मुकदमे दर्ज कराए हैं।योगेश ने सभी के सिर पर मारी थी गोली- योगेश ने पत्नी और तीन बच्चों के सिर में लाइसेंसी पिस्टल सटाकर गोली मारी थी। इसके बाद योगेश ने खुद फोन करके पुलिस को वारदात की सूचना दी। पुलिस ने घर पहुंच कर उसे गिरफ्तार कर लिया। अभी तक जांच में सामने आया है कि आरोपी को अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था, जिसके चलते इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया।

# सूरजपुर पुलिस ने वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाया अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस अधिकारियों को वारंटियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो के मार्गदर्शन में जिले के थाना चौकी की पुलिस टीम के द्वारा अभियान चलाकर वर्षो से फरार 09 स्थाई वारंटियों को जिले सहित दिगर जिलों में दबिश देकर पकड़ा है जिनके विरूद्ध अपहरण, आर्म्स एक्ट, चोरी, नकबजनी, गाली-गलौज सहित विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध थे। अभियान के दौरान स्थाई वारंटियों के अलावे 57 गिरफ्तारी वारंट भी तामील कर सभी वारंटियों को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

# विकसित भारत युवा संसद महोत्सव का भव्य आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में ''विकसित भारत युवा संसद महोत्सव 2025'' का आयोजन देशभर के 300 से अधिक जिलों में किया जा रहा है। जिसमें वन वोट वन नेशन विषय पर आज शासकीय रेवती रमण मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय सूरजपुर में इस भव्य आयोजन का दो दिवसीय कार्यक्रम प्रारंभ हुआ, जिसमें

अलग अलग जिलों से चुन कर युवा प्रतिभागी शामिल हुए। आज प्रथम दिवस उद्घाटन समारोह में अथिति के रूप में कुलपति संत श्री गहीरा गुरु विश्वविद्यालय अंबिकापुर सरगुजा प्रोफेसर श्री पी पी सिंह, श्रीमती चंद्रमणि पैकरा अध्यक्ष जिला पंचायत श्री भीमसेन अग्रवाल भूतपूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम, श्री बाबूलाल अग्रवाल अध्यक्ष रेड क्रॉस सोसाइटी, स्वाति सिंह जनपद पंचायत अध्यक्ष सूरजपुर श्री अशोक सिंह ज्यूरी मेंबर श्री शैलेश गोयल उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद सूरजपुर श्री शशिकांत गर्ग एवं श्री यशवंत सिंह जन भागीदारी अध्यक्ष सहित महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एच एन दुबे शामिल रहे। इस कार्यक्रम में तीन जिलों, सूरजपुर, कोरिया एवं महेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर से चयनित युवा प्रतिभागियों ने भाग लिया और ''एक राष्ट्र, एक चुनाव'' विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। युवा संसद महोत्सव का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देना, उनकी सोच को राष्ट्रहित की दिशा में प्रेरित करना और नीति निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, ष्युवा शक्ति ही राष्ट्र निर्माण की नींव होती है। इस प्रकार के आयोजनों से न केवल उनकी राजनीतिक समझ बढ़ती है, बल्कि वे सामाजिक उत्तरदायित्व को भी बेहतर तरीके से समझ पाते हैं। इस अवसर पर विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार साझा किए और युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। यह कार्यक्रम प्राचार्य महोदय के निर्देशन में श्री चंद्रभूषण मिश्र नोडल अधिकारी के द्वारा सुचारू रूप से आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का समापन दिनांक 25 मार्च 2025 को होगा।

# समय सीमा बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली एवं विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने

विभागवार समय सीमा के लंबित प्रकरणों एवं प्राप्त शिकायतों का विस्तार से समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ इस दौरान उन्होंने कुदरगढ़ महोत्सव की तैयारी को लेकर भी सम्बंधित अधिकारियों से चर्चा की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, अपर कलेक्टर श्री जगन्नाथ वर्मा, डिप्टी कलेक्टर सहित सर्व एस डी एम एवम समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।समीक्षा के साथ विभागीय कार्यों की समीक्षा भी की। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कार्ययोजना अनुरूप कार्य में तेजी लाने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, सिकल सेल एनीमिया, जन औषधि केंद्रों, सहित स्वास्थ्य विभाग की अन्य योजनाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था की ली और आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जिले के सभी छात्रावासों में सुविधाएं बेहतर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर उन्होंने कृषि एवं संबंधित विभागों के

अंतर्गत चल रही योजनाओं के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जिले में निर्माण कार्य में लगी विभागों पी डब्लू डी, जल संसाधन और पी एच ई अंतर्गत योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए हैं। इसके अलावा उन्होंने जल जीवन मिशन, जल शक्ति अभियान, सुरक्षित मातृत्व अभियान, वय वंदना योजना का जायजा लिया। उन्होंने आंगनबाड़ी की स्थिति, बच्चों में कुपोषण की स्थिति की जानकारी ली। आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वच्छ पेय जल आपूर्ति , पोषण का स्तर और बेहतर करने के निर्देश दिए। शत प्रतिशत हितग्राहियों का आधार कार्ड और आयुष्मान कार्ड बनवाने एवं अद्यतन करवाने के निर्देश दिए। सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग से चर्चा के दौरान उन्होंने आश्रमों और विद्यालयों में बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे सुविधाओं को और बेहतर करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने बच्चों की सुरक्षा के लिए आश्रमों एवम विद्यालयों में विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए। इसके अलावा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग से धान उठाव और चावल जमा की जानकारी ली। इसके अलावा इस दौरान नशामुक्त अभियान को लेकर भी चर्चा की गई । इस सम्बन्ध में कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यालय परिसर से 100 मीटर की दायरे में किसी भी प्रकार का नशीला पदार्थ, गुटका, तंबाखू के बेचने पर कड़ा प्रतिबंध लगाया जाए अन्यथा जिम्मेदार पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। साथ ही नशामुक्ति के लिए सभी स्कूल विद्यालयों में नशामुक्ति अभियान को नियमित अंतराल पर चलाने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिए गए।

# सूरजपुर ऑडिटोरियम में विश्व क्षय दिवस पर भव्य कार्यक्रम का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- जिला चिकित्सालय सूरजपुर के ऑडिटोरियम में विश्व क्षय दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 2023 में घोषित टीबी मुक्त पंचायतों को प्रशस्ति पत्र और महात्मा गांधी की कांस्य प्रतिमा जिला कलेक्टर श्री एस जयवर्धन और जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणि पैंकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष रेखा राजवाड़े, जनपद पंचायत सूरजपुर की अध्यक्ष स्वाती संत सिंह, जनपद पंचायत सूरजपुर के उपाध्यक्ष मानभद्र, श्री ओमकार पाण्डेय व अन्य संबंधित की उपस्थिति में पंचायत के जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को दिया गया। जिन पंचायतों ने टीबी मुक्त पंचायत के मापदंडों और

सूचकांकों को भली-भांति समझ कर कार्य किया और मापदंडों पर खरा उतरता उसका नाम जनपद पंचायत द्वारा प्रस्तावित किया जाता है। उन सभी पंचायतों को सत्यापन के बाद टीबी मुक्त पंचायत का अवार्ड दिया गया। इसके साथ 33 नि-क्षय मित्र, और स्वास्थ्य कर्मचारियों को भी कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने प्रशस्ति पत्र देकर उनका मनोबल बढ़ाया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि टीबी फेफड़ों को प्रभावित करने वाला एक संक्रामक रोग है। लोगों को इसके लक्षणों, जांच और उपचार के प्रति जागरूक करना बेहद आवश्यक है। इसके जानकारी के अभाव में लोग लापरवाह हो जाते हैं जिनसे उनकी मृत्यु तक हो जाती है। इस दौरान उन्होंने जिले में टीबी जैसे संक्रामक रोग के उन्मूलन के लिए सभी विभागों सहित आमजनों को एकजुट होकर कार्य करने की अपील की है। उन्होंने टीबी को एक चुनौती मानते हुए सामाजिक और आर्थिक विकास में बाधा बताया। उन्होंने कहा कि जिले से टीबी का शत प्रतिशत उन्मूलन करने के लिए हम सभी को मिलकर इसके खिलाफ कार्य करना होगा। इसके लिए उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारीयों एवं कर्मचारियों को विशेष रूप से कार्य करते हुए जागरूकता अभियान चलाने के लिए कहा। साथ हीं उन्होंने बताया कि टीबी की रोकथाम के लिए शासन द्वारा प्रभावी और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई हैं। उन्होंने बताया कि सभी सरकारी अस्पतालों में टीबी की नि:शुल्क जांच और इलाज की सुविधा है। जिसका लाभ समाज के सभी वर्ग लें।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत ठाकुर भी उपस्थित थे। उन्होंने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि टीबी बीमारी के प्रति जनजागरुकता के अभाव में लोगों की मृत्यु हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस बीमारी को दवा के द्वारा पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है। हमें इसके लिए वृहद अभियान चलाने की आवश्यकता है। हमें स्कूल, कॉलेजों सहित सार्वजनिक स्थानों पर टीबी बीमारी इसके लक्षणों और इसके इलाज को लेकर लोगों को निरन्तर जागरूक करना होगा। कार्यक्रम में उपस्थित जिला पंचायत अध्यक्ष चन्द्रमणि पैकरा ने कहा कि स्वास्थ्य समाज के निर्माण में ग्रामपंचायतों की अहम् भूमिका है जनप्रतिनिधियों का सहयोग और समर्थन से सूरजपुर जिला प्रदेश में अव्वल रहेगा। हमारी पहली प्राथमिकता रहेगी की स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का मनोबल कही से कम न हो । आज इनके प्रयास और अथक परिश्रम के बदौलत जिले में 86 पंचायतें टीबी फ्री हो रही है।

जिला कलेक्टर एस जयवर्धन ने कहा कि स्वास्थ्य सूचकांकों में सूरजपुर जिला प्रदेश में पीछे न रहे इसके लिए समन्वय बनाकर कार्य करना होगा। जहां कहीं भी कठिनाई आये हम मिलजुल कर समाधान निकालेंगे। जनपद पंचायत सूरजपुर के अध्यक्ष स्वाती संत सिंह ने कहा कि टीबी मुक्त पंचायत व्यक्ति और समाज दोनों को लाभ है। कार्यक्रम के प्रथम चरण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ कपीलदेव पैकरा ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि टीबी मुक्त भारत के सपनों को साकार करने के लिए हम सभी को आगे आना होगा। आम जनता में टीबी पंचायत के लाभ को बताना होगा। जब-जब ग्रामसभा हो इस विषय पर चर्चा करे अवश्य सफलता मिलेगी। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक प्रशांत सिंह ठाकुर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष रेखा राजवाड़े जनपद उपाध्यक्ष मनभद्र जी ने भी अपने विचार रखे। किस ब्लॉक से कितनी पंचायते हुई टीबी मुक्त विकासखण्ड भैयाथान से 22, सूरजपुर से 21, प्रतापपुर से 17, उड़गी से 12, प्रेमनगर से 07 और रामानुजनगर से 07 पंचायतों को टीबी मुक्त पंचायत का अवार्ड दिया गया। सी.वाई. टेस्ट का लंचींग यह टेस्ट टीबी जांच के लिए काफी महत्वपूर्ण है। आज इसकी शुरुआत सूरजपुर जिला में हुआ। इस मशीन से पहला व्यक्ति अमीत सिंह स्वास्थ्यकर्मी का जांच हुआ। इस जांच का प्रयोग प्रथम चरण में सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों का जांच किया जायेगा। इसके बाद पाज़िटिव पेशेन्ट के घर के सभी लोगों का जांच होगा। आभार व्यक्त करते हुए जिला क्षय उन्मूलन अधिकारी ने कहा कि 2024 का भी परिणाम आ चुका है लगभग 100 से ज्यादा पंचायतें रेखांकित हुई है। राज्य सरकार की गाइडलाइन के अनुसार विभाग अगले चरण में उन सभी पंचायतों को पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम का रूपरेखा तय करने में और संचालन में डीपीसी संजीत कुमार का प्रमुख योगदान रहा। कार्यक्रम में मंच संचालन अर्पित सिंह ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में उमेश गुप्ता जनेश्वर सिंह, सुभाष, निलेश दुबे, मदनलाल, प्रेमनारायण साहु, कवीर सिंह, राम विलास सिंह, धन्नुलाल, आदि की अहम् भूमिका रही।

# पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा पुलिस लाइन सभागार में मिशन शक्ति/ एंटीरोमियो अभियान के सम्बन्ध में की गई गोष्ठी

क्यूँ न लिखूँ सच

रिजर्व पुलिस लाइन बहराइच में शासन द्वारा महिला सशक्तिकरण हेतु चलाए जा रहे अभियान के

अंतर्गत जनपद के पुलिस अधीक्षक कार्यालय/महिला थाना/जनपदीय एंटीरोमियो टीम में नियुक्त महिला अधिकारी/कर्मचारियों के लिए पुलिस लाइन के सभागार में गोष्ठी का आयोजन किया गया। शासन की मंशा के अनुरुप समस्त महिला कर्मियों द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को स्वावलंबी बनाने तथा उनके अधिकारों के संबंध में जागरुक करने व उनके साथ घटित होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोकथाम करने एवं उनमें सुरक्षा/आत्मविश्वास की भावना जागृत करने के उद्देश्य से उनको आदेश निर्देश दिए गए ।महोदय द्वारा आगामी नवरात्रि पर्व के दृष्टिगत भीड़ भाड़ वाले स्थानों, मेला स्थलों में महिलाओं की सुरक्षा के संबंध में भी आदेश-निर्देश दिए गये तथा महिला पुलिसकर्मियों को महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराधों के सम्बन्ध में क्षेत्र की महिलाओं को अधिक से अधिक जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें जागरूक किए जाने के निर्देश दिए।इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर व ग्रामीण, क्षेत्राधिकारी लाइन, प्रतिसार निरीक्षक, प्रभारी महिला थाना व प्रभारी एन्टी रोमियो टीम व अन्य पुलिस अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे।

## संक्षिप्त समाचार

# राष्ट्रीय जलमिशन अतंर्गत नव निर्वाचित संरपंचो को कराया गया शपथ ग्रहण

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती कमलेश नन्दनी साहू के मार्गदर्शन एवं उप संचालक पंचायत के निर्देशानुसार, जिला पंचायत

संसाधन केन्द्र सूरजपुर में नवनिर्वाचित सरपंचों का उन्मुखीकरण परिचयात्मक प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान संकाय सदस्य श्री निरोज सिंह के द्वारा नवनिर्वाचित सरपंचों का राष्ट्रीय जल जीवन मिशन का ''कैच द रैन'' अभियान के क्रियान्वयन के संबंध में अवगत कराया गया है कि जल शक्ति अभियान के अन्तर्गत ''जल संचय जन भागीदारी- जन जागरूकता की ओर'' एवं ''जल जंगल एक प्रकृति अभियान'' का आरंभ 22 मार्च से 30 नवम्बर 2025 तक चलाया जाना है। उक्त अभियान के अन्तर्गत जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन, जल निकायों का जियो टैगिंग, वैज्ञानिक संरक्षण योजनाएं तथा सभी जनपद पंचायतों में जल शक्ति केन्द्रों की स्थापना जागरूकता अभियान आदि सम्मिलित है। इस संबंध में राष्ट्रीय जल मिशन पर निर्वाचित सरपंचों का शपथ ग्रहण कराया गया। हम सब मिलकर जल आंदोलन को जन आन्दोलन बनाने की बात कही गयी।

# कुदरगढ़ महोत्सव पर जिला स्तरीय रात्रिकालीन कबड्डी प्रतियोगिता का होगा आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कुदरगढ़ महोत्सव 2025 के अंतर्गत जिला स्तरीय रात्रिकालीन कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 2 से 4 अप्रैल 2025 तक कुदरगढ़ में किया जाएगा। यह प्रतियोगिता जिले के खेल प्रेमियों के लिए रोमांचक अवसर प्रदान करेगी। प्रतियोगिता में सूरजपुर जिले की कुल 20 टीमें भाग लेंगी, जिनमें विकासखंड स्तर से चयनित टीमें भी शामिल होंगी। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए कोई आयु सीमा निर्धारित नहीं की गई है, जिससे सभी आयु वर्ग के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। खूब खेलबो, नशा ले दूर रहबो इस संदेश के साथ प्रतियोगिता का आयोजन स्वस्थ खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। प्रतियोगिता में विजेता टीम को 21,000 रू. उपविजेता टीम को 15,000 रू. तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 11,000 रू. की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कार के रूप में बेस्ट रेडर, बेस्ट डिफेंडर एवं बेस्ट ऑलराउंडर की ट्रॉफी भी दी जाएगी। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए इच्छुक टीमों को 29 मार्च 2025 शाम 5 बजे तक अपना पंजीयन कराना अनिवार्य है। इस प्रतियोगिता का आयोजन जिला प्रशासन एवं कुदरगढ़ न्यास समिति, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा किया जा रहा है जिसमें खिलाड़ियों की सहायता और अधिक जानकारी हेतु विकासखंडवार प्रेमसिंधु मिश्र (प्रतापपुर) 9826308123, सत्यदेव सिंह (प्रेमनगर)9575185781, सुनिल साहू(रामानुजनगर) 7000957078, संजय यादव (भैयाथान)9340016510, प्रभाशंकर प्रसाद (सूरजपुर) 7067019738, बिजेंद्र कुमार सिंह(ओड़गी) 9926003537. से संपर्क किया जा सकता है।

# अस्थिबाधित दिव्यांगजनों को प्रदाय किया गया ट्राय सायकल

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- अस्थिबाधित दिव्यांगजनों को ट्रायसायकल जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चन्द्रमणी पैकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष

श्रीमती रेखा राजवाडे, श्री देवपाल पैकरा, श्री राजलाल राजवाड़े, जनपद सूरजपुर उपाध्यक्ष श्री मनमत बछार के द्वारा प्रदाय किया गया है। ग्राम पंचायत-बेलटिकरी, जनपद पंचायत-सूरजपुर, के श्री मुन्ना राम, आ0 श्री बलजीत, एवं ग्राम पंचायत-उमापुर जनपद पंचायत-रामानुजनगर के श्री हुकुम साय, आ0 श्री बकस राम ने ट्रायसायकल के लिए समाज कल्याण विभाग विभाग में आवेदन किया था। आवेदन पर त्वरित कार्यवाही करते हुए आज जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चन्द्रमणी पैकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा राजवाड़े के माध्यम से उनके द्वारा मांगे गये उपकरण उपलब्ध कराये गये है। ट्रायसायकल प्राप्त करने के पश्चात आवेदक ने खुशी जाहिर की एवं जिला प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया।

# If you want to start your day in a healthy way, then try Poha cutlet recipe in breakfast

Breakfast is an energy booster and if it is healthy and tasty, it helps to stay active throughout the day. In such a situation, Poha cutlet is one such option which is a light nutritious and quick dish. It is shallow fried in less oil, which makes it a healthy snack. Serve it with green chutney or tomato sauce. A healthy breakfast is necessary for a good start to the day. In such a situation, if you get a low-calorie option, then what to say. You can try healthy and tasty Poha cutlet for this. Morning breakfast acts as fuel for our body. It not only keeps us energetic throughout the day, but also affects our health. Therefore, breakfast should be healthy, nutritious and tasty. Poha cutlet is a great option, which is a light, digestive and quick snack. It is made by mixing poha, fresh vegetables and spices, which makes it both tasty and healthy. It is shallow fried in less oil, due to which it is not very calorie-rich. This is a perfect breakfast recipe for everyone, from kids to adults. Ingredients Poha – 1 cup (washed and softened) Boiled potatoes – 2 (mashed) Carrot – ¼ cup (grated) Capsicum – ¼ cup (finely chopped) Onion – 1 (finely chopped) Green chilli – 2 (finely chopped) Coriander leaves – 2 tbsp (finely chopped) Cumin powder – ½ tsp Coriander powder – ½ tsp Garam masala – ¼ tsp Red chilli powder – ½ tsp Lemon juice – 1 tsp Gram flour or bread crumbs – 2 tbsp (for binding) Salt – according to taste Oil – for shallow frying Method To make this, first wash the poha with water and keep it covered for 5 minutes so that it becomes soft. Now add mashed potatoes, soft poha and chopped vegetables (carrots, capsicum, onion, green chillies, coriander leaves) in a large bowl. After this, add cumin powder, coriander powder, garam masala, red chilli powder, salt and lemon juice and mix well. Now mix the mixture well and if needed, add gram flour or bread crumbs for binding, so that your tikki can be made well. Shape it into small cutlets or tikkis. After this, heat some oil in a non-stick pan and fry the cutlets on medium flame till they become golden and crispy from both sides and then serve hot cutlets with green chutney or tomato sauce and enjoy a healthy breakfast. Benefits of Poha Cutlet Poha is easily digestible and keeps the stomach light. It contains a good amount of carbohydrates and fiber, which helps in maintaining energy throughout the day. The presence of vegetables makes it full of nutrition. It is not deep fried, making it a low-fat option.

# If you also take lift from unknown people then be careful, always keep these 5 things in mind

Whenever you go out, always charge your phone. Charging the phone is very important. The phone should always be on. Especially when you are taking a lift. With this you can call for help in an emergency. If your phone is not charged and it switches off on the way, then it can be very difficult for you. If you also take lift from unknown people then you also need to be careful. Often, taking a lift while returning from college or office or going back home after finishing work is a compulsion for anyone. But sometimes it is not free from danger. Sometimes taking a lift can be so unsafe. You hardly have any idea about it. Therefore, the precaution lies in this that if you are taking lift from unknown people, then it is very important to always keep some things in mind. 1. Remember the vehicle number while taking a lift. Before taking a lift from unknown people, note down their vehicle number. This can be very useful for you in times of emergency. Therefore, whenever you sit in a car or bike, make sure to get basic information on the surface. 2. Inform your family Whenever you take a lift from someone, inform your family first. Tell them where you are going and when you are returning. The best way is to send all the details on message. Try to share this information on your family group. 3. Always keep your phone chargedIt is most important to charge the phone. The phone should always be on. Especially when you are taking a lift. This will enable you to call for help in an emergency. If your phone is not charged and switches off on the way, it can be very difficult for you. 4. Remember the signboard If you are taking a lift from unknown people, then look at the environment around you. If you feel that something is wrong, then immediately call for help. For this, you should remember the signboards around. You should have basic information about your location. 5. Be prepared for your safety Always be mentally prepared. Anything untoward can happen on the way. So be prepared for your safety. If you are taking a lift from unknown people, be prepared for your safety. Keep a pepper spray with you which can help you in an emergency. By keeping these things in mind, you can be prepared for your safety while taking a lift from unknown people.

# Ignore these small things of your partner at all costs, the family will fall apart if you show strictness

Many times showing strictness about mistakes in relationships can create tension in your relationship. It is not always good to overreact to some mistakes. Because small mistakes often create distance in relationships. these mistakes. Always try to explain to relationship, sometimes even small not ignored then it becomes difficult to important that you learn to ignore small spoiled just by interrupting over small remain silent in these matters and ignore habits should always be ignored so that sometimes to maintain happiness and ignore some small things1. Minor mistakes made by your partner. Being in your relationship. It is not always small mistakes often create distance in always ignore these mistakes. 2. may be different from yours. In such a should try to understand and respect may have different opinions about the that you express anger when your should respect each other's choice. 3. No habits of your partner can bother you. both of you should try to understand increases love between you and ends the each other. Sometimes when mistakes Therefore it is important to always ignore each other with love. To maintain a things have to be ignored. If these things are maintain a relationship. Therefore it is things. Many times old relationships get things. Therefore it is important that you these things. Today we are telling you which there is no effect on the relationship. Because peace in the family, it may be necessary to mistakes It may be better to ignore minor strict about these mistakes can create tension good to overreact to some mistakes. Because relationships. Therefore, it is important to Different opinions Your partner's opinion situation, instead of being strict, both of you each other's opinion. Many times two people same work. Therefore, it is not necessary opinion is rejected. In such a situation, one need to be upset It is often seen that some But instead of being strict about these habits, and respect each other's habits. This estrangement. 4. Give emotional support to are made, give emotional support to each other. Do not show strictness in every matter. Doing this can spoil the relationship. Because the partner's feelings can be different from your feelings. In such a situation, instead of showing strictness, both of you should try to understand and respect each other's feelings.

# 'Kab Tak Roega...', when Kangana Ranaut created a controversy about ex Hrithik Roshan, did not spare even Ranbir

**B-Town's fine actress Kangana Ranaut's performance is highly praised, but many times she comes into the limelight due to her statements. Once a cyber crime case was also registered against her. She has created controversy look at Kangana Ranaut's controversies. controversies Has claimed to date Hrithik on Ranbir and Karan Kangana Ranaut claimed to date Hrithik Roshan Has also Karan In 2020, a tweet by Kangana about Bollywood star Ranbir Kapoor, he but no one dares to call him a rapist. calls her mad or a witch. These names are towns and ordinary families." Statement became Mandi MP from BJP, gave a controversies. She said in a summit, "The Indian people got real freedom in 2014." Narendra Modi became the Prime boyfriend- The controversy between one of the most talked about controversies when Kangana Ranaut called Hrithik claimed that he had sent her emails. After many times with her statements. Let us take a Kangana Ranaut has a long association with Roshan Has also given controversial statements has a long association with controversies Has given controversial statements on Ranbir and Ranaut created a stir in the film circles. In a tweet said, "Ranbir Kapoor is a 'serial skirt chaser', Deepika calls herself a mental patient, but no one kept only for outsiders, who come from small on India's independence- Kangana Ranaut, who statement in 2021 which brought her into independence we got in 1947 was alms. The In 2014, the BJP government came and Minister for the first time. Took a dig at ex-Hrithik Roshan and Kangana Ranaut has been in Bollywood. This controversy started in 2016, Roshan her 'ex-boyfriend' in an interview and this, a legal battle started between the two actors.**

**Not only this, Kangana once called Hrithik a silly ex in a tweet and said that he is unable to move on. In the tweet, the actress wrote, "The world has come a long way but my silly ex is still at the same point where this time is not going to come back again." At the same time, when Hrithik filed a cyber crime case against Kangana, the actress wrote in a tweet, "His sad story has started again, it has been so many years since our breakup and his divorce, but he refuses to move on, refusing to date any woman. When I gather courage to find some hope in my personal life, he starts the same drama again. How long will Hrithik Roshan cry for a small affair?" Javed Akhtar-Kangana Ranaut defamation case- Javed Akhtar and Kangana Ranaut's defamation case going on for years finally ended. Javed Akhtar had filed a defamation case against Kangana Ranaut in 2020. At that time in an interview, the actress had said that Javed had called her to his house and pressured her to apologize to Rakesh Roshan and Hrithik Roshan. Also, he threatened her that if this did not happen, he would send her to jail and she would commit suicide. Later, Javed denied this and filed a defamation case against the actress.**

# Is it really jungle raj...' Is OTT preventing Bihar from recovering? Why don't the city writers want to show the real story?

**The web series 'Duphiya', which was recently released on Amazon Prime, tells the story of the fictitious village of Dhadakpur in Bihar. Even before this, many films and web series have been used to show the story of Bihar, but do they actually show Bihar or is it just its imagination. Makers need to focus on this. The imaginary village shown in the series, is it the real truth of Bihar? Why don't the makers write the real story? Earlier the big screen was not able to imagine a simple, honest, loving society in Bihar, now OTT is also walking on the same line. During the Bihar Day celebrations (22-24 March), today we have brought to you an article by Vinod Anupam, which highlights this bias of cinema. Such a village was seen for the first time The recently released web series 'Duphiya', which is becoming popular for its simple rural story, tells the story of the fictitious village of Dhadakpur in Bihar. This is such a Bihar where girls have the desire to become self-reliant. They are preparing the people of the village for global challenges. Perhaps this is the first time a village of Bihar has been filmed on any kind of screen, big or small, which has completed 25 years of being crime free, where FIRs become news. This is such a Bihar where there is love, there is a sweet and sour aspect of relationships. Where the whole village is standing for the daughter's wedding. It is a different matter that despite Bihar being here, Bihar is not seen, but it is also true that before 'Two Wheeler', Bihar on the big screen has always meant 'Mardeb Goli Kapaar Mein, Aaye Na Hamra Bihar...'. Prejudiced hypothesisIt is also surprising that from the production to the acting of 'Two Wheeler', no important name is from Bihar. At the same time, it is also a truth that from the writer to most of the actors of the web series 'Panchayat', which changed both the condition and direction of OTT, are from Bihar. But the story goes to village Phulera of Ballia district in Uttar Pradesh. What difference would it make if it was Bihar's Buxar? In fact, in the image of Bihar that the visual media has created for several decades, an underdeveloped village like Phulera can be imagined. But such a society cannot be imagined, where there are selfless people like Prahlad Cha, who are roaming around with 50 lakh rupees on their palms, asking someone to use it for a good cause. Where there is a bomb brave who can fight even with the MLA for a pet pigeon. Here one cannot even think of a Pradhan who is watering the walls of his half-constructed house himself. Yes, if Bhima Bharti, Chandan Mahato or Saheb Haroon Shah Ali Beg are to be shown, then the background of Bihar is perfect. OTT prevents recovery- If you are familiar with Ara in Bihar, then you will also be familiar with Dharam Chowk. Dharam Bai, who was adept at firing cannons, accompanied Kunwar Singh in every war and attained martyrdom while fighting the British, but when filmmakers like Sanjay Leela Bhansali search for stories of the contribution of courtesans in the freedom struggle for OTT, they hear stories of Lahore across the border. No matter how important Dharam Bai's struggle and sacrifice for the country was, she finds satisfaction only in Lahore's 'Heera Mandi', where fake stories of Mallika Jaan and Bibbo Jaan can be embellished. Perhaps she is afraid that her grand stories will become D class after reaching Bihar. On the other hand, the most popular series centered on Bihar, 'Maharani', depicts that period of Bihar's politics, which can be considered the worst phase of Bihar. How**

**the OTT camera sees Bihar can also be understood from the fact that in this series spread over three seasons, it is not felt necessary to show even a single public representative, who would make one feel respect for the political consciousness of Bihar, all of them are dishonest criminals. What is the focus of these web series? - Similarly, in 'Rangbaaz-Darr Ki Rajneeti', you can recognize each and every character, each and every incident. The series leaves no stone unturned to explain where it is telling the story. There must be a city where a criminal would be ruling, who has killed two brothers by pouring acid on them in public, but it is also true that not only Bihar, the identity of any city is not limited to this. But the focus of OTT is on not letting Bihar come out of the era of jungle raj. 'Khaki-The Bihar Chapter' also tells the story of the same era. If it was just a story of a clash between a criminal and the police, there would not have been so much worry, the way the entire government, the entire police department is engaged for a criminal, it does not let Bihar recover from its identity. The glasses of thinking will have to be changed, it is not surprising that no OTT comes to Bihar with 'Gullak'. Even if 'Two Wheeler' comes, then the story of Bihar is told without coming to Bihar. The image of Bihar that was created by films like ‘Abduction’ and ‘Gangajal’ is being strengthened by OTT today with a little more vivacity and credibility. Be it Siwan or Sheikhpura, these are normal cities where working people also live, girls go to college and children also go to play in the park, but the Bihar shown in most web series seems to have no normal life there. Even the filmmakers and writers from Bihar do not feel the need to highlight this change!**